RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 276 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, शनिवार 23 जुलाई 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बिसाहू दास महंत को किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहाँ अपने निवास कार्यालय में राजनेता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय बिसाहू दास महंत की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया । मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय महंत का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अविभाजित मध्यप्रदेश में विधायक और मंत्री के रूप में प्रदेश के विकास के लिए अपनी अमूल्य सेवायें देते हुए छत्तीसगढ़ में सिंचाई और सड़क अधोसंरचना के विकास हेतु अद्वितीय योगदान दिया। हसदेव बांगो परियोजना उनके सपनों का ही साकार रूप है। श्री महंत का पूरा जीवन जनसेवा के लिए समर्पित रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार उनके आदर्शों के अनुरूप विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रही है।

छत्तीसगढ़ में शुक्रवार को मिले 627 कोरोना मामले, सबसे ज्यादा रायपुर में मिले

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शुक्रवार को कोरोना वायरस के 627 नए मामले सामने आए, जिससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 11,61,881 हो गई है, जबकि मरने वालों की संख्या एक बढ़कर 14,055 हो गई। इसकी जानकारी एक अधिकारी ने दी।

उन्होंने आगे कहा कि अब तक 11,44,048 लोग ठीक हो चुके हैं। वहीं शुक्रवार को 444 लोग स्वस्थ होकर घर चले गए। राज्य में 3,778 सक्रिय मामले हैं। अधिकारी ने कहा कि रायपुर में सबसे ज्यादा 100 मामले मिले। इसके बाद दुर्ग में 91, राजनांदगांव में 75, कोरबा में 44, बेमेतरा में 43, बिलासपुर में 41, महासमुंद में 30 और रायगढ़ में 29 मामले मिले। अधिकारी ने कहा कि आज 14,222 नमूनों की जांच के बाद कुल जांचों की संख्या 1,81,57,048 हो गई।

बारिश से तरबतर हुआ ट्विनसिटी अण्डरब्रिजों में भरा पानी, फंसी कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। तेज बारिश के चलते आज ट्विन सिटी तरबतर हो गया। भिलाई के चन्द्रा-मौर्या और प्रियदर्शिनी परिसर रेलवे अण्डरब्रिज में पानी भर जाने से आवागमन ठप्प रहा। निचली बस्तियों में जलभराव से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। झमाझम बारिश होने से कामकाजी लोगों को कार्य स्थल पहुंचने में दिक्कत का सामना करना पड़ा।

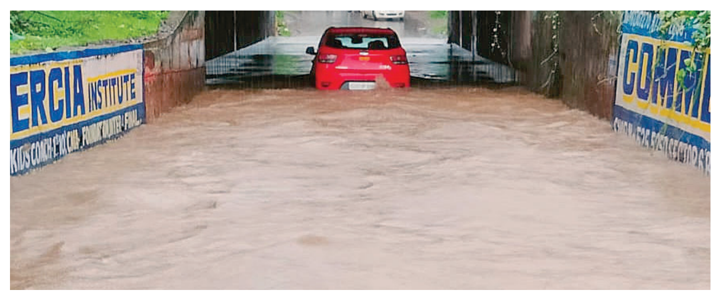

मौसम विभाग दो दिन पहले से ही भारी बारिश की चेतावनी दे रहा था। लेकिन गुरुवार और शुक्रवार को यह चेतावनी बेअसर साबित हुई। आज सुबह साढ़े 9 बजे से बारिश होने लगी। देखते ही देखते दो घंटे से अधिक की अनवरत बारिश ने ट्विनसिटी को तरबतर कर डाला। जिस समय बारिश शुरू हुई तब कामकाजी वर्ग घर से निकलने की तैयारी में था। बारिश कम नहीं होने से नौकरी पेशा लोगों को रैनकोर्ट और छाता लेकर कार्य स्थल रवाना होना पड़ा। स्कूली बच्चों को भी बारिश के चलते परेशानी का सामना करना पड़ा।

लगातार बारिश होने से भिलाई शहर में पटरी पार आने जाने के विकल्प चन्द्रा-मौर्या और प्रियदर्शिनी परिसर अण्डरब्रिज लबालब हो गया। इससे आवाजाही ठप्प हो जाने से सुपेला रेलवे क्रासिंग पर यातायात का दबाव बढ़ गया। भिलाई-3 के सिरसा गेट अण्डरब्रिज में भी पानी जमा होने से यातायात बाधित तो नहीं हुआ। लेकिन दुपहिया वाहन चालकों के साथ अण्डरब्रिज से गुजरने के दौरान दुर्घटना का खतरा बना रहा। शहर की कुछ अंदरुनी सड़कों और गलियों में जलभराव से जनजीवन प्रभावित हुआ। निचली बस्तियों में रहने वालों को भी बारिश ने अच्छा खासा हलाकान किया।

अण्डरब्रिज में फंस गई कार

आज सुबह हुई तेज बारिश के चलते सुपेला के प्रियदर्शिनी परिसर रेलवे अण्डरब्रिज लबालब हो गया। जब अण्डरब्रिज लगभग आधा भर चुका था तभी एक कार टाउनशिप की ओर जाने निकली। लेकिन आगे जाकर कार पानी में तैरने लगी। उसमें सवार लोग किसी तरह दरवाजा खोल बाहर निकल जान बचाने में सफल रहे। समाचार लिखे जाने तक कार अण्डरब्रिज के पानी में फंसी रही।

स्टेडियम के पास सड़क पर भरा पानी

झमाझम बारिश होने से खुर्सीपार स्टेडियम के पास फोरलेन सड़क पर घुटने तक पानी भर गया। यहां पर फ्लाईओवर निर्माण के चलते आवाजाही वाली सड़क काफी जर्जर हो गई है। बारिश की वजह से सड़क पर जगह जगह गड्ढे हो जाने से गुजरने वाले दुपहिया और छोटे चारपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। स्टेडियम के सामने ही पानी निकासी के लिए बनाई जा रही नाली अधूरी होने से लगभग 50 मीटर सड़क लबालब रही। इसके दुपहिया वाहन चालकों को खतरे से खेलकर गुजरना पड़ा। पावरहाउस चौक के पास भी दुर्ग से रायपुर की दिशा में सड़क की जर्जरता बारिश के दौरान वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बनी रही।

एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत, रात में खाना खाकर सोए और सुबह नींद से जागे ही नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में एक ही परिवार के 3 सदस्यों की रहस्यमय तरीके से मौत हो गई है। जांगला थानाक्षेत्र के जैगुर गांव में बोमड़ा माड़वी व उसके 2 बेटे मुगरु व रामू की मौत की खबर सामने आई। घटना के समय बोमड़ा की पत्नी अपने रिश्तेदार के घर गई हुई थी। परिवार के 3 सदस्यों के मौत की खबर से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस व स्वास्थ्य अमले की टीम गांव पहुंची। भैरमगढ़ के बीएमओ आदित्य साहू ने परिवार से मिलकर घटना के संबंध में जानकारी ली। परिवार के लोगों ने बताया कि रात में भोजन कर सोए, लेकिन सुबह कोई नहीं उठा।

बीएमओ की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर सीएमएचओ ने बताया कि मृतकों व परिवार के अन्य सदस्यों ने रात में कोलियरी भाजी व चावल खाकर सोए थे। इसके बाद तीनों सुबह उठे ही नहीं। सीएमएचओ का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला समझ में नहीं आ रहा है। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत की सही वजह का पता चल सकेगा। ग्रामीण व परिवार वाले पीएम करवाने को तैयार नहीं हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने परिवार के सदस्यों को पीएम कराने कहा, ताकि मौत के सही कारणों का पता चल सके। मुआवजे के प्रावधान के तहत मामला बनेगा तो उसे भी दिया जा सके। जांगला थाना प्रभारी आरएन गौतम ने बताया की एक ही परिवार में 3 लोगों की मौत हुई है। पुलिस परिजनों से बात करेगी और मामले की जांच करेगी।

जंगली मशरूम भी बनती है मौत की वजह

एक ही परिवार के 3 सदस्यों की मौत की खबर से स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मच गया। नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने की वजह से इसे माओवादी घटना से जोड़कर भी देखा जा रहा था, लेकिन हत्या करने जैसा कोई प्रमाण नहीं मिला। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि कोई जहरीला पदार्थ को अंजाने में परिवार ने खा लिया होगा। बता दें कि बारिश के समय में बस्तर के जंगलों में देशी मशरूम की पैदावार बहुतायत में होती है। इनमें कई प्रकार के मशरूम बेहद जहरीले होते हैं। बारिश के दौरान आदिवासी ऐसे कंदमूल खाकर अक्सर बीमार पड़ जाते हैं और कई बार मौत भी हो जाती है। शासन द्वारा ऐसे जहरीले कंदमूल और मशरूम को न खाने को लेकर कोई जागरुकता अभियान भी नहीं चलाया जाता।

हादसों के साढ़े तीन साल: भिलाई स्टील प्लांट में हुए 22 हादसे, जिमसें 15 मजदूरों की हो गई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के भिलाई स्टील प्लांट में पिछले साढ़े तीन साल में हुए हादसों में कम से कम 15 श्रमिकों की मौत हो गई और नौ घायल हो गए। राज्य मंत्री शिवकुमार डहरिया ने शुक्रवार को विधानसभा को इसकी जानकारी दी। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव के एक सवाल का जवाब राज्य के श्रम मंत्री ने कहा कि भिलाई स्टील प्लांट में हुई 22 दुर्घटनाओं की जांच से पता चला कि संयंत्र प्रबंधन ने कार्य में शामिल खतरों का आकलन किए बिना श्रमिकों को नियोजित किया था।

भिलाई नगर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले यादव ने 2019 से जून 2022 तक भिलाई स्टील प्लांट में हुई दुर्घटनाओं और उनमें मारे गए या घायल हुए नियमित और ठेका मजदूरों की संख्या की जानकारी मांगी। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या संयंत्र ने अनुकंपा के आधार पर इन घटनाओं में मारे गए संविदा कर्मियों के परिजनों को नौकरी दी। डहरिया ने कहा, इस दौरान भिलाई स्टील प्लांट में हुए 22 हादसों में कम से कम 15 श्रमिकों की मौत हो गई और 9 संविदा कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में से 12 ठेका मजदूर थे, जबकि तीन नियमित कर्मचारी (भिलाई स्टील प्लांट के) थे।

खतरों का आकलन किए बगैर श्रमिको को किया था नियोजित

मंत्री ने कहा, एक जांच के बाद यह पाया गया कि संयंत्र प्रबंधन के कार्य में शामिल खतरों का आकलन किए बिना श्रमिकों को नियोजित किया गया था जिससे एक असुरक्षित प्रक्रिया अपनाई गई जिसके परिणामस्वरूप दुर्घटनाएं हुईं। उन्होंने आगे कहा कि कारखाना अधिनियम 1948 के तहत संबंधित संयंत्र प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि वह अपनी सुविधा में कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा ध्यान रखे। इस बीच, यादव ने मंत्री से सुरक्षा मानकों की जांच के लिए भिलाई स्टील प्लांट का नियमित निरीक्षण करने के लिए राज्य स्तरीय समिति गठित करने का अनुरोध किया। भिलाई स्टील प्लांट भारत सरकार के उपक्रम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की प्रमुख इकाई है।

मृतकों के आश्रितों को नौकरी का प्रावधान नहीं : शिव कुमार डहरिया

मंत्री शिवकुमार डहरिया ने कहा कि श्रम कानूनों के तहत कारखानों में मृत श्रमिकों के परिजनों को अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने का कोई प्रावधान नहीं था। हालांकि श्रम विभाग मृतक श्रमिकों के आश्रितों को नौकरी सुनिश्चित करने के लिए मानवीय आधार पर पहल करता है। मंत्री ने आगे बताया कि भिलाई स्टील प्लांट प्रबंधन कंपनी की नीति के अनुसार अनुकंपा के आधार पर नियुक्तियां करता है। डहरिया ने कहा कि 2019 से जून 2022 के बीच मरने वाले 15 मजदूरों में चार मृतक ठेका मजदूरों के आश्रितों और दो नियमित श्रमिकों को भिलाई स्टील प्लांट ने अनुकंपा के आधार पर नौकरी दी थी।

60 लाख नागरिकों पर भोजन का संकट WFP ने की 500 करोड़ रुपये सहायता की मांग

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका में आर्थिक संकट से हाहाकार मचा हुआ है। महंगाई इतनी बढ़ गई है कि लोगों के खाने पर आफत आ गई है। विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) ने कहा है कि देश में 60 लाख से अधिक लोगों पर खाने का संकट मंडरा रहा है और फिलहाल 30 लाख लोगों की भूख मिटाने के लिए 500 करोड़ रुपये(भारतीय रुपये) की जरूरत है।

अगले कुछ महीनों में चौंका देने वाली मुद्रास्फीति बढ़ने की उम्मीद

विश्व खाद्य कार्यक्रम(श्रीलंका) के राष्ट्रीय प्रमुख अब्दुर रहीम सिद्दीकी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था वर्तमान में आजादी के बाद से सबसे खराब खाद्य संकट का सामना कर रही है और अगले कुछ महीनों में चौंका देने वाली मुद्रास्फीति बढ़ने की उम्मीद है। सिद्दीकी ने कहा कि श्रीलंका अपनी आजादी के बाद से गंभीर खाद्य संकट का सामना कर रहा है। खाद्य मुद्रास्फीति की दर जून तक 80 प्रतिशत से अधिक है और आने वाले महीनों में इस प्रवृत्ति के बढ़ने की संभावना है।

भोजन की मात्रा कम खा रहे लोग

एक अध्ययन के अनुसार, लगभग एक चौथाई आबादी, यानी लगभग 53 लाख लोग या तो वे अपने भोजन की मात्रा कम कर रहे हैं या एक वक्त भोजन छोड़ रहे हैं या वे खाने कि लिए अपने परिवार के युवा सदस्यों को वरीयता दे रहे हैं। श्रीलंका में खाद्य संकट के बीच समय की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि 2022 के अंत तक डब्ल्यूएफपी को 500 करोड़ रुपये से अधिक की आवश्यकता है, हालांकि, यह केवल 30 प्रतिशत लोगों की भूख मिटा सकेगा।

गोबर, डीएपी और आर्गेनिक ताली

दीपक रंजन दास

बहुत मुश्किल होता है जब किसी 'एसी-पालित मनुष्य' को हम कवेलू वाले घर में रहने के लिए मनाने की कोशिश करते हैं। हम उन्हें लाख समझाएं कि सेहत के लिये यह बेहतर है पर वह नहीं मानता। उसे एसी से होने वाली सभी तकलीफों के बारे में भी पता है पर यह आदत छूटती जो नहीं है। वह देखता है कि अंग्रेजों के जमाने की ऊंची-ऊंची कोर्ट की इमारतें भीतर से शीतल रहती हैं। इनकी मोटी दीवारें बाहर से गर्म पर भीतर से ठंडी होती हैं। पर कुछ तो लागत और कुछ मॉडर्न बिल्डिंग टेक्नोलॉजी उसे फ्रंट एलीवेशन वाले सुन्दर डूप्लेक्स बनाने के लिए ही प्रेरित करते हैं। कुछ ऐसा ही तब भी होता है जब हम उन्हें पालथी मारकर देसी भोजन करने के लिए प्रेरित करते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए अति उत्तम होता है। न तो घुटने खराब होते हैं और न ही कभी पेट-सफा जैसे टोटकों की जरूरत पड़ती है। हम उन्हें अपना काम स्वयं करने के लिए प्रेरित करते हैं तो वह जिम के लिए निकल जाता है। वहां बच्चों की तरह उनके ग्रोथ और वेट की मॉनिटरिंग की जाती है। जब पूरी आबादी का माइंडसेट इस प्रकार के विकास से जुड़ गया हो तो उसे पुरातन की तरफ ले जाना कठिन है। पुरातन की तरफ लौटने का उसका फलसफा केवल तालियों तक सीमित है। वह बेमतलब की तालियां बनाने में सिद्धहस्त हो चुका है। अकसर तालियां उसके मन से नहीं उठतीं बल्कि मंच से कहना पड़ता है कि इस बात पर तालियां चाहूंगा। इसे अंग्रेजी में कहते हैं ड्ड ह्यूज राउंड ऑफ अप्लॉज। मंच से मांग होती है और वह ताली बजा देता है। पर जब बात खेती किसानी की आती है तो यह एक बड़ी समस्या बन जाती है। हम सभी जानते हैं कि आजकल दुकानों से लेकर मॉल तक में आर्गेनिक का बोलबाला है। लोग आर्गेनिक के नाम पर दोगुनी कीमत देने को तैयार हैं। आर्गेनिक वालों का दावा है कि उन उत्पादों में न तो रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग किया गया है और न ही कीटनाशकों का। छत्तीसगढ़ सरकार भी इसी तरफ बढ़ने के लिए लोगों को प्रेरित कर रही है। वह चाह तो रही है- पर बोल नहीं पा रही है कि भले ही उपज आधी हो, ऑर्गेनिक खेती की उपज के पैसे दोगुने मिलेंगे। पर किसान पिछली कई पीढ़ियों से रासायनिक खादों का उपयोग करता आ रहा है। गोबर खाद का उपयोग वह भूल चुका है और रासायनिक खाद मिल नहीं रहा। गोबर खाद के उपयोग की जानकारी वेबसाइटों में कैद है। गोमूत्र की अभी तो खरीदी शुरू हुई है जिसका कीटनाशक कब बनेगा पता नहीं। ऐसे में तो यह पूरी योजना ही 'किसान-नाशक' साबित हो जाएगी। कुछ अच्छा करने के चक्कर में सबकुछ बर्बाद हो गया तो कोई भी माफ नहीं करेगा।

संपादकीय

परिणाम से प्रेरणा

कुछ इंतजार के बाद शुक्रवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने पहले 12वीं और फिर 10वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए। महामारी के कम से कम तीन चरम दौर के बाद आए ये नतीजे बहुत आशा जगाते हैं। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को कामयाबी मिली है और इससे अन्य निचली कक्षाओं के विद्यार्थियों को भी बेहतर पढ़ाई व तैयारी के लिए प्रेरणा मिलेगी। कक्षा 12वीं उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी 92.71 प्रतिशत, जबकि 10वीं पास करने वाले 94.40 प्रतिशत हैं। यह अच्छा है कि इस बार भी टॉपर घोषित नहीं किए गए हैं। टॉपर की सूची से समग्रता में लाभ कम और नुकसान ज्यादा होता है। किसी एक परीक्षा में नाकाम रहने वाले या कम अंक लाने वाले विद्यार्थियों की मन:स्थिति का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए और यह काम सीबीएसई अच्छी तरह से करने लगा है। कोई भी परीक्षा परिणाम अंतिम नहीं होता। एकाधिक परीक्षाओं में नाकाम हुए विद्यार्थी भी आगे चलकर कामयाब हस्तियों में शुमार हुए हैं। कोई भी परीक्षा परिणाम एक प्रेरणा या पड़ाव है, ताकि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों का प्रदर्शन अच्छा हो सके। कमियों से सीखा जा सके। कई बार 10वीं में कम अंक लाने वाले 12वीं में बहुत अंक लाते हैं और कई 12वीं में कम अंक लाने वाले कॉलेज में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन कर गुजरते हैं।

> “ इनकी बागडोर सरकार के ही हाथों में है, जहां बच्चों को हर तरह की सुविधा व गुणवत्ता वाली शिक्षा मिल रही है, तो नतीजे दुनिया के सामने हैं। केंद्रीय विद्यालय भी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। निजी स्कूलों का प्रदर्शन भी बहुत अच्छा है, लेकिन उनमें देखना चाहिए कि किन स्कूलों का प्रदर्शन सुधर नहीं रहा है। लगातार खराब प्रदर्शन कर रहे स्कूलों को क्यों चलना चाहिए? हमारी सरकारों को अन्य सरकारी और सरकार द्वारा अनुदानित स्कूलों के कमतर परिणामों पर भी अवश्य गौर करना चाहिए।

महामारी से प्रभावित पढ़ाई के बावजूद सीबीएसई कक्षा 10 में 64,908 या 3.10 प्रतिशत विद्यार्थियों को 95 प्रतिशत या उससे ज्यादा अंक मिले हैं। कुल 2,36,993 या 11.32 प्रतिशत विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक मिलना भी बहुत उत्साहजनक है। खास बात यह है कि दक्षिण भारत के विद्यार्थी और खासकर त्रिवेंद्रम क्षेत्र के विद्यार्थियों का प्रदर्शन 10वीं और 12वीं, दोनों में बहुत शानदार रहा है। 10वीं में दिल्ली क्षेत्र के परिणाम निराश करते हैं, इस क्षेत्र में सफलता प्रतिशत 87 भी नहीं है, जबकि 96 प्रतिशत से ज्यादा के साथ नोएडा, 94 प्रतिशत से ज्यादा परिणाम के साथ प्रयागराज क्षेत्र की कामयाबी प्रशंसनीय है। राष्ट्रीय राजधानी में परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए हरसंभव प्रयास करने पड़ेंगे। बच्चों को केवल सुविधा दे देने से अच्छे परिणाम नहीं मिलेंगे। पूर्वोत्तर क्षेत्र पर भी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। अब परंपरा-सी हो गई है, लड़कियों का उत्तीर्णता प्रतिशत हमेशा ही ज्यादा रह रहा है। लड़कियां जिस हठ और विशिष्टता के साथ स्कूल पास कर रही हैं, उसी उत्साह के साथ उन्हें उच्च शिक्षा में भी झंडे गाड़ने चाहिए।

परीक्षा परिणामों का अध्ययन करते हुए यह देखना भी जरूरी है कि किन स्कूलों के विद्यार्थी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। क्या बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्कूलों का ही विस्तार नहीं करना चाहिए? क्या बेहतर पढ़ाने वाले स्कूलों के ढांचे या खासियत का व्यापक प्रचार नहीं करना चाहिए? ध्यान रहे, जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया है। इनकी बागडोर सरकार के ही हाथों में है, जहां बच्चों को हर तरह की सुविधा व गुणवत्ता वाली शिक्षा मिल रही है, तो नतीजे दुनिया के सामने हैं। केंद्रीय विद्यालय भी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। निजी स्कूलों का प्रदर्शन भी बहुत अच्छा है, लेकिन उनमें देखना चाहिए कि किन स्कूलों का प्रदर्शन सुधर नहीं रहा है। लगातार खराब प्रदर्शन कर रहे स्कूलों को क्यों चलना चाहिए? हमारी सरकारों को अन्य सरकारी और सरकार द्वारा अनुदानित स्कूलों के कमतर परिणामों पर भी अवश्य गौर करना चाहिए।

> “ हम चाहें, तो ‘मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग कमेटी’ को एक उपयोगी मंच बना सकते हैं, जिसकी कल्पना 74वें संविधान संशोधन में की गई थी। और अंतिम उपाय है, वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना। हमें विज्ञान पर भरोसा करना होगा, फिर चाहे वह पदार्थों का विज्ञान हो, जलवायु का विज्ञान हो या जीवन का विज्ञान। जलवायु परिवर्तन मानव जीवन के अस्तित्व के लिए चुनौती है। हमें इस पर संजीदगी से ध्यान देना होगा, चाहे इसके लिए अपने तमाम साधनों का ही क्यों न इस्तेमाल करना पड़े।

सड़कों पर चढ़कर हर साल चिढ़ाता पानी

अनंत मरिंगंति, निदेशक, हैदराबाद अर्बन लैब फाउंडेशन

शहरी बाढ़ भारत में मानसून की एक खासियत बन गई है। इससे हर साल हमारे शहर जूझते हैं। रास्ते नदी बन जाते हैं, रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पानी में डूब जाते हैं, संचार बाधित हो जाता है, पड़ोस में जाना भी दूभर हो जाता है और कुछ जगहों पर लोग हफ्तों तक पानी से घिरे रहते हैं। इस अनिश्चित, अत्यधिक और बेमौसम बारिश का कारण जलवायु परिवर्तन माना जा सकता है, जिसका असर महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और वंचित तबकों पर कहीं ज्यादा होता है। मगर इसके लिए हमारी मूढ़ता भी कम जिम्मेदार नहीं है।

पहली मूर्खता, हम किसी जमीन पर यह जाने बिना हरित क्षेत्र का विकास करते हैं कि वहां पूर्व में कृषि की क्या स्थिति थी? उस भूमि को पहले समतल किया जाता है, फिर उसकी पारिस्थितिकी छीन ली जाती है और अंत में उसे अचल संपत्ति बना दिया जाता है। सर्वेक्षण और रिकॉर्ड रखने की प्रक्रियाओं में लगातार रद्दोबदल करने से उसे पहले बंजर भूमि और फिर ‘प्राइम रियल एस्टेट’ के रूप में ब्रांडिंग करने में मदद मिलती है। आज हमारे पास बेशक उचित कीमत पर ड्रोन से सर्वेक्षण करने की क्षमताएं हैं, पर हमारी पहुंच आधी सदी पहले किए गए भूसंपत्ति सर्वेक्षणों और 1970 के दशक में हवाई जहाज से ली गई तस्वीरों तक सीमित है। कुछ दशक पहले सीमा-चिह्नों के साथ तैयार नक्शे भी आज हमारे पास नहीं हैं। इन सबके बावजूद हम गेटेड सोसायटी, अपार्टमेंट व व्यावसायिक संपत्तियों में इजाफा देखते हैं, जिनको हम लेकव्यू, हिलटॉप जैसे नामों से भी जानते हैं।

दूसरी, हमें यह भरोसा हो गया है कि हमारी सभी समस्याओं का समाधान निर्माण व विनिर्माण संबंधी प्रौद्योगिकियां, और तेजी के साथ विस्तार लेती सूचना प्रौद्योगिकी कर सकती है। इसलिए, शहरी योजना पर पुनर्विचार करने के बजाय हम उन प्रौद्योगिकियों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जो बाढ़ की भविष्यवाणी कर सकती हैं और जलभराव जल्दी खत्म कर सकती हैं। इनमें से किसी का अब तक उपयोगी नतीजा नहीं निकल सका है। शहरी बाढ़ एक अत्यधिक स्थानीयकृत परिघटना है, जिसकी दशा-दिशा उसी तरह से साल-दर-साल बदलती रहती है, जिस तरह से अचल संपत्ति का ढांचा बदलता रहता है।

तीसरी, लोगों की असमान रिहाइश ने अत्यधिक अस्थिर शहरी संरचनाओं को जन्म दिया है, जो मानसून की पहली बारिश में ही दम तोड़ने लगती हैं। जिन लोगों का स्थायी ठौर-ठिकाना नहीं होता, वे संपत्ति में निवेश करने से कतराते हैं। इसी तरह, कई बस्तियां दशकों से खराब दशा में हैं। वहां लोग ऐसी सामग्रियों का उपयोग करते हैं, जो उन्हें नाममात्र की सुरक्षा देती हैं। जैसे, एस्बेस्टस और प्लास्टिक। प्रकृति के कहर के सामने ये चीजें जल्द दम तोड़ देती हैं।

चौथी, आपदाओं को लेकर हमारा नजरिया राहत और पुनर्वास पर केंद्रित रहा है। उपयोगी शहरी योजनाओं में बहुत कम निवेश किया गया है। हम किसी सरकार को विश्वसनीय इसी आधार पर मापते हैं कि वह कितनी जल्दी व कुशलता से लोगों को बचाती है और उन तक राहत पहुंचाती है। हमारा पूरा प्रयास बाढ़ की भविष्यवाणी करने वाली तकनीक, पानी निकालने के लिए पंपसेटों और पाइपलाइन पर निर्भर रहता है, जबकि बाढ़ अब बड़े शहरों तक सीमित नहीं हैं, छोटे शहरों में भी इनकी आमद बढ़ी है।

जाहिर है, हमें अपने शहरों को बचाने के लिए विशेष कदम उठाने पड़ेंगे। सबसे पहले हमें ‘वेटलैंड कमीशन’ का गठन करना होगा। हमें भूमि का मूल चरित्र फिर से हासिल करने की तरफ ध्यान लगाना चाहिए। भारत के शहरों में यह रुझान व्यापक तौर पर दिखने लगा है कि तटीय इलाकों या जल के नजदीकी क्षेत्रों को निजी संपत्ति बना लिया जाए। यह काम इस अदूरदर्शी सोच के साथ किया जाता है कि इससे उस इलाके के बेहतर रख-रखाव में मदद मिलेगी। वास्तव में, संपत्ति चाहे सरकार की हो या निजी, उसकी सीमाएं बांध दी जाती है, जबकि जल का स्तर बदलता रहता है। लिहाजा हमें वेटलैंड, यानी आर्द्रभूमि, घास का मैदान और दलदली इलाका बनाकर इसका सम्मान करना चाहिए और संपत्ति व गैर-संपत्ति के रूप में जमीन को बांटकर उसे संरक्षित करना चाहिए। यह काम वेटलैंड कमीशन बनाकर किया जा सकता है। जरूरी यह भी है कि इस आयोग के पास आवश्यक कार्यकारी, राजस्व और न्यायिक शक्तियां हों।

दूसरा कदम है, ‘स्पंज सिटी मिशन’। हमें स्थान-आधारित दृष्टिकोण अपनाने की कहीं ज्यादा जरूरत है। शहरों में बाढ़ तब आती है, जब बांध टूट जाते हैं और झीलों अथवा तालाबों से पानी का अत्यधिक बहाव शुरू हो जाता है। बादल फटने और चक्रवात जैसी चरम मौसमी घटनाओं से भी पानी का जमाव हो जाता है। हालांकि, बाढ़ की वजह आमतौर पर स्थानीय बुनियादी ढांचे की विफलता और उस तरह के निर्माण-कार्य हैं, जो पानी को अवशोषित नहीं कर पाते हैं। इसका समाधान ‘पड़ोस में प्राकृतिक क्षेत्र’ हो सकता है, जिसमें स्थानीय सामुदायिक ज्ञान महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके लिए हम स्पंज सिटी मिशन को गति दे सकते हैं, जिसका मकसद शहरी क्षेत्र को ऐसा रूप देना है कि वहां बारिश का पानी अवशोषित हो सके और बाढ़ को आने से रोका जा सके।

तीसरा, ‘मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग कमेटी’। शहरी बाढ़ खुद में कई अधिकार क्षेत्र को समेटे होती है। इसके अधिकतर समाधान इसलिए कारगर नहीं हो पाते, क्योंकि दो क्षेत्राधिकार एक-दूसरे के साथ पर्याप्त संवाद नहीं करते। इससे निपटने का एकमात्र तरीका एक ऐसा संगठन बनाना है, जिसके पास संयोजन से जुड़ी शक्ति हो। कई राज्यों में मुख्यमंत्री कार्यालय ही इस तरह की शक्ति वाला संस्थान बन गया है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसी संस्थागत क्षमताएं महानगरीय या क्षेत्रीय विकास प्राधिकरणों के पास हों। हम चाहें, तो ‘मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग कमेटी’ को एक उपयोगी मंच बना सकते हैं, जिसकी कल्पना 74वें संविधान संशोधन में की गई थी। और अंतिम उपाय है, वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना। हमें विज्ञान पर भरोसा करना होगा, फिर चाहे वह पदार्थों का विज्ञान हो, जलवायु का विज्ञान हो या जीवन का विज्ञान। जलवायु परिवर्तन मानव जीवन के अस्तित्व के लिए चुनौती है। हमें इस पर संजीदगी से ध्यान देना होगा, चाहे इसके लिए अपने तमाम साधनों का ही क्यों न इस्तेमाल करना पड़े।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ऋषि सुनक और लिज ट्रस में किसके हाथ लगेगी बाजी

हर्ष वी पंत, प्रोफेसर, किंग्स कॉलेज लंदन

ब्रिटेन में नए प्रधानमंत्री की तस्वीर अब स्पष्ट होने लगी है। इस पद के लिए आखिरी मुकाबला ऋषि सुनक और लिज ट्रस के बीच होगा। कंजरवेटिव सांसदों ने इन नामों पर अपनी सहमति दे दी है। अब पार्टी के तमाम सदस्य इन दोनों में से एक को चुनेंगे, जिसके विजेता का एलान 5 सितंबर को किया जाएगा। ब्रिटेन में यह उथल-पुथल अप्रत्याशित है। मौजूदा प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन एक बड़े जनादेश के साथ 2019 में सत्ता में आए थे। मार्ग्रेट थैचर के बाद कंजरवेटिव पार्टी को इतना विशाल बहुमत हालिया इतिहास में पहली बार मिला था। इससे यह माना गया था कि पार्टी न सिर्फ ‘ब्रेग्जिट’ की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा करेगी, बल्कि आगे आने वाली मुश्किलों से भी पार पाएगी। मगर प्रशासन में अनुशासन न ला पाने का खामियाजा जॉनसन को भुगतना पड़ा।

जब स्थानीय चुनावों में यह स्पष्ट दिखने लगा कि जॉनसन पर वोटरों का विश्वास तेजी से छीज रहा है, जिसका फायदा लेबर पार्टी को हो रहा है, तो कंजरवेटिव पार्टी ने नेतृत्व बदलने का फैसला किया। वैसे भी, यह पार्टी अपने मुखिया को लेकर काफी सख्त मानी जाती है। अगर इसे लगता है कि नेता में जीत दिलाने की क्षमता नहीं बची, तो वह बड़ी बेरहमी से उसे बाहर का रास्ता दिखा देती है। ब्रिटेन में मौजूदा सत्ता-परिवर्तन कंजरवेटिव पार्टी की इसी परंपरा की कड़ी है।

ऋषि सुनक और लिज ट्रस, दोनों में पार्टी काफी उम्मीदें देख रही हैं, हालांकि इन दोनों के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। मसलन, बोरिस जॉनसन की सरकार में लिज ट्रसविदेश और ऋषि सुनक वित्त मंत्रालय संभाल रहे थे। जाहिर है, बोरिस जॉनसन के प्रति आम लोगों का जो गुस्सा है, वह इनके खाते में भी आएगा, जिसका फायदा लेबर पार्टी उठा सकती है। यही वजह है कि इन दोनों नेताओं की सोच में कुछ बुनियादी अंतर भी दिख रहा है। जैसे, सुनक टैक्स में किसी तात्कालिक कटौती के खिलाफहैं और पब्लिक फाइनेंस को मजबूत करना चाहते हैं, जबकि ट्रस करों में कतरब्योंत करना चाहती हैं और इसे ब्रिटेन के आर्थिक विकास के लिए काफी अहम मानती हैं। हालांकि, कई अर्थशास्त्री ट्रस की सोच से सहमत नहीं हैं और वे यह मानते हैं कि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था इसे झेल नहीं पाएगी।

रही बात इस मसले पर पार्टी के रुख की, तो तत्काल कर कटौती का ट्रस का प्रस्ताव पार्टी को लुभा रहा है। इसी कारण ट्रस की स्वीकार्यता भी बढ़ी है। पिछले दिनों हुए एक सर्वे में यह बात स्पष्ट भी हुई थी कि ट्रस को 62 प्रतिशत, तो सुनक को 38 फीसदी समर्थन हासिल है। मगर लेबर पार्टी को हराने की क्षमता सुनक में ज्यादा दिख रही है। स्पष्ट है, टैक्स कटौती यहां एक बड़ा मुद्दा बन गया है। चूंकि अगस्त के आखिरी हफ्ते तक चुनावी प्रक्रिया चलेगी, इसलिए दोनों नेताओं के पास पार्टी सदस्यों को अपनी तरफलुभाने का पर्याप्त वक्त है।

बहरहाल, ब्रिटेन में सत्ता-परिवर्तन से भारत के साथ उसके द्विपक्षीय रिश्तों पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। बेशक, सुनक की जीत से भारतीय कहीं अधिक खुशी मनाएंगे, लेकिन ट्रस की ताजपोशी भी कम महत्वपूर्ण नहीं होगी, क्योंकि जॉनसन सरकार की वह विदेश मंत्री रही हैं और दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाई देने में मददगार साबित हुई हैं। पिछले कुछ वर्षों से यही देखा जा रहा है कि ब्रिटेन में प्रधानमंत्री कोई भी बना हो, उसने भारत पर काफी ध्यान दिया है। जॉनसन तो भारत के अच्छे दोस्तों में गिने जाते रहे हैं। दो दिन पहले ही उन्होंने उस समझौते को हरी झंडी दी है, जिसके तहत दोनों देश अब एक-दूसरे की शैक्षणिक डिग्री को मान्यता देंगे। इंडो-पैसिफिक नीति, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद जैसे मुद्दे पर भी दोनों देश काफी संजीदगी से आगे बढ़ रहे हैं। हां, सत्ता-परिवर्तन के बाद समुद्री व्यापार से जुड़े समझौते के साकार होने में वक्त लग सकता है, पर इससे दोनों देशों की प्रतिबद्धता प्रभावित नहीं होगी।

सुखद है कि भारत और ब्रिटेन का रिश्ता किसी व्यक्ति पर निर्भर नहीं है, बल्कि यह संस्थागत रूप ले चुका है। ऐसा करना ब्रिटेन के लिए भी जरूरी था, क्योंकि यूरोपीय संघ से बाहर निकलने के बाद वह विश्व व्यवस्था में जगह बनाने की जद्दोजहद कर रहा है, जिसमें भारत उसकी काफी मदद कर सकता है। देखना होगा कि आने वाले दिनों में इस रिश्ते में कितनी गर्मजोशी आती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

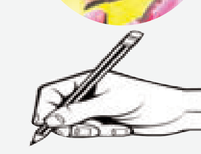

उनसे इश्क ऐसा हुआ कि हम हजार जिंदगी जी लिए रहें, कुछ पल साथ पर लम्हों में जिंदगी के यादगार पल जी लिए।

-अंजली जैन
7024460938

भारत को जबर्दस्त अमेरिकी छूट

जब भारतीय मूल के नागरिक विदेशों में राज-काज के हिस्सेदार होते हैं तो वे कैसा चमत्कार कर देते हैं। आजकल ऋषि सुनाक के ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने की बात तो चल ही रही है लेकिन अमेरिका के प्रतिनिधि सदन (लोकसभा) के एक भारतीय सदस्य ने वह काम कर दिखाया है, जो असंभव-सा लगता था। रो खन्ना नामक सदस्य ने अमेरिका के राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम को भारत पर लागू होने से रूकवा दिया। यह अधिनियम चीन, उत्तरी कोरिया, ईरान आदि देशों पर बड़ी कड़ाई के साथ लागू किया जा रहा है।

इस प्रतिबंध को ‘काट्सा’ कहा जाता है। इसके मुताबिक जो भी राष्ट्र रूस से हथियार आदि खरीदता है, उससे अमेरिका किसी भी प्रकार का लेन-देन नहीं करेगा। तुर्की पर भी काफी दबाव पड़ रहा है, क्योंकि वह रूसी प्रक्षेपास्त्र खरीदना चाहता है। जहां तक भारत का सवाल है, रूस तो भारत को सबसे बड़ा हथियार और सामरिक सामान का विक्रेता है। वह आज से नहीं, शीतयुद्ध के जमाने से है।

अमेरिका के कई विद्वान और नीति-निर्माता भारत को रूस का पिट्ठू कहते रहे हैं। आजकल भारत ने रूस के साथ एस-400 प्रक्षेपास्त्रों की खरीद का सौदा किया हुआ है और यूक्रेन संकट के बाद से रूस भारत को तेल भी बड़े पैमाने पर सस्ते दामों पर मुहय्या करवा रहा है। इसके बावजूद रो खन्ना द्वारा लाया गया प्रस्ताव अमेरिकी निम्न सदन ने प्रचंड बहुमत से पारित कर दिया है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने दबी जुबान से इसका इशारा किया था, वरना अमेरिकी राष्ट्रपति को अधिकार है कि वह स्वविवेक के आधार पर किसी देश को इस प्रतिबंध से मुक्त कर सकता है।

अमेरिका ने भारत के पक्ष में यह एतिहासिक कदम तो उठाया ही, इसके पहले यूक्रेन के सवाल पर उसकी तटस्थता का सम्मान भी किया। इसका मूल कारण यह है कि पश्चिम एशिया और सुदूर-पूर्व एशिया के दो चौगुटों में भारत और अमेरिका कंधे से कंधा मिलाकर साथ-साथ काम कर रहे हैं। दोनों देशों में सामरिक सहकार तीव्र गति से बढ़ता जा रहा है। 2008 में भारत-अमेरिकी सामरिक सौदा सिर्फ 50 करोड़ डालर का था। वह अब बढ़कर 2000 करोड़ डॉलर का हो गया है।

इस समय रूस और चीन मिलकर ऐसी नीति चला रहे हैं, जैसे वे किसी गठबंधन के सदस्य हों। ऐसे में अमेरिका के लिए भारत को साथ रखना बेहद जरुरी है। भारत और चीन के रिश्तों में इधर जो खटास पैदा हुई है, वह अमेरिका के लिए स्वादिष्ट चटनी की तरह है। दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों में मैत्री-भाव बढ़े, इससे अच्छा क्या हो सकता है।

वेद प्रताप वैदिक

आबादी, मौत और महंगाई

हरिशंकर व्यास

भारत की आबादी फट पड़ रही है तो लोगों के जीवन पर भी बादल फट पड़ रहे हैं। महंगाई फट पड़ रही है। कल ही खबर थी कि भारत में बारिश, बाढ़ से दो सौ से ज्यादा मौत हुई। आज ही खबर है कि दही भी जीएसटी के कारण महंगा होने वाला है! मगर इस सबका किस पर असर हो रहा है? किसी पर नहीं? भारत वह देश है, जिसमें आजादी के 75 वर्ष बाद भी यह समझ नहीं है कि प्राकृतिक आपदाओं में भी लोगों को बचाया जा सकता है! मुंबई और बिहार हो, हर साल बारिश से जान-माल का नुकसान होता है। भारत की सरकारों, अफसरों और नागरिकों का मानना है कि कोई क्या कर सकता है? ईश्वर की लीला है। केदारनाथ, अमरनाथ में बादल फटा और लोग मरें तो वे स्वर्ग में गए। तूफान, चक्रवात, सुनामी, भीषण, गर्मी जैसी आपदाएं लाइलाज हैं इसलिए लोग मरते हैं तो मरते हैं, हम क्या कर सकते हैं!

यही मामला जीवन जीने की तमाम कठिनाइयों, महंगाई आदि का भी है। लोग सोचते ही नहीं हैं कि प्राकृतिक आपदाओं में भी जान बचाने के उपाय हो सकते हैं या कम से कम आवश्यक चीजों की महंगाई रोकी जा सकती है। एडवांस तैयारी रखनी चाहिए। दुनिया के तमाम विकसित देश जलवायु परिवर्तन की वास्तविकताओं को जानते हुए लोगों को बचाने की एडवांस तैयारी बना रहे हैं। हाल में दक्षिणी चीन में जबरदस्त तूफान के कारण बाढ़ आई। कई शहर मिट्टी की गाद से भर गए। वहां से ब्रह्मपुत्र के बढ़े बहाव व बारिश से असम, बांग्लादेश में भारी तबाही हुई मगर चीन में मौतों की खबरें नहीं हैं, जबकि असम, बांग्लादेश में जान-माल का भारी नुकसान है। तो चीन में कम नुकसान इसलिए है क्योंकि वह सन् 2012 से नेचुरल वाटर फ्लो को बनवाने के लिए ‘वाटर डिटेक्टिव’ के विशाल प्रोजेक्ट पर अमल कर चुका है, जिससे बाढ़ और सूखे दोनों की स्थितियों से कम से कम नुकसान हो। ऐसे काम की भारत की सरकारों, इंजीनियरों में कल्पना ही नहीं है। तभी मुंबई और बिहार में हर साल बाढ़ के बावजूद समाधान यहीं है कि लोग हर साल जान-माल गंवाए। जापान, फ्रांस, यूरोप गर्मी से भयावह झुलसते हुए हैं लेकिन जैसा मैंने अपने कॉलम में लिखा था कि जापान ने तुरंत बूढ़ी आबादी के लिए खास एसी सेंटर बनाए, जिससे वे मजे से जी सकें। जापान सुनामी का मारा देश है मगर सुमद्री किनारों पर ऐसी सीमेंट की दीवारें बना दी हैं कि न्यूनतम नुकसान। जापान, यूरोप, जलवायु परिवर्तन की रियलिटी को जान एडवांस प्रबंध कर रहे हैं लेकिन मैंने यह कहीं नहीं पढ़ा कि गुजरात में दस जुलाई तक छोटा उदयपुर, तापी, अमदाबाद व पंचमहल में सूखा था मगर 10 जुलाई से मानों बादल फटे हों और बाढ़ आई तो सरकार ने समझा कि यह जलवायु परिवर्तन का प्रमाण है और अब जागो।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

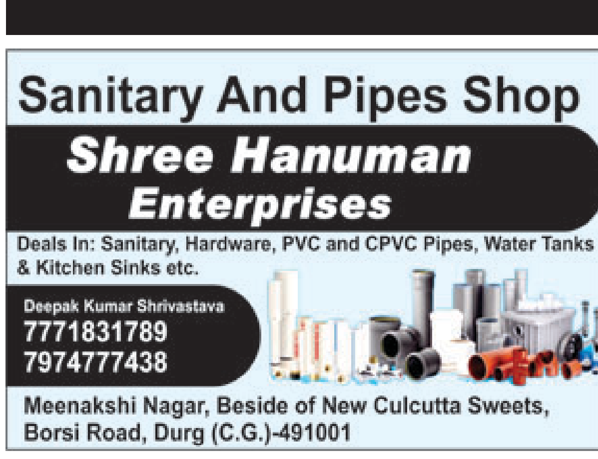

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

क्षेत्र के किसानों और आम नागरिकों को सहकारी बैंक के नवीन शाखा का मिलेगा लाभः डॉ. चरण दास महंत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर- चांपा । छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने आज जिला सहकारी केन्द्रीय बैक मर्यादित बिलासपुर की नवीन शाखा का सारागांव में शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों की सौगात लगातार मिल रही है। प्रदेश में छत्तीसगढ़ की संस्कृति और अस्मिता के लिए कार्य किया जा रहा है। गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की दिशा में कार्य करने के साथ नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी जैसी योजनाओं को लागू कर किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है।

फसल की खरीदी कर आर्थिक रूप से किसानों को मजबूत बनाया जा रहा है। किसानों के हित में लगातार काम किया जा रहा है। आज सारागांव में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के शाखा का शुभारंभ होना एक बड़ी सौगात है और यह इस क्षेत्र के किसानों के लिए बहुत ही लाभदायक होने के साथ तथा सहूलियतों से भी जुड़ा है। अब उन्हें दूर के बैंकों तक सफर नहीं करना पड़ेगा।

कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ महंत ने आगे कहा कि उनके पिताजी स्वर्गीय श्री बिसाहूदास मंहत जी की कल 23 जुलाई को पुण्य तिथि है। आज पूर्व संध्या पर सारागांव में सहकारी बैंक की 20 वीं शाखा का उद्घाटन हो रहा है। यह एक संयोग है कि उनके नाम और शाखा की संख्या की शुरुआत एक जैसे शब्द से ही होती है। उन्होंने किसानों के लिए भवन और बैंक के व्यवस्थित संचालन के लिए 50 लाख की राशि देने की भी घोषणा की। डॉ महंत ने सारागांव क्षेत्र में बहुमूल्य खनिजों का भंडारण होने की बात कहते हुए कहा कि सारागांव उन्नति के शिखर पर है। जो पिताजी ने किया है वह आज भी याद है। उनके योगदान से विकास के साथ हसदेव से किसानों को पानी भी मिल रहा है। इस पानी के फसल से किसान खुशहाल है। यहाँ सड़क,तहसील भी बन गया है। आज बैंक का नवीन शाखा खुला है। यह सब लोगों के लिए लाभदायक होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य सरकारी बैंक, श्री बैजनाथ चंन्द्राकर ने कहा कि सहकारी बैंक का शाखा खुलना बड़ी उपलब्धि है। स्वर्गीय श्री बिसाहूदास मंहत ने हमेशा छत्तीसगढ़वासियों को आगे बढ़ाने का काम किया है। उनके आशीर्वाद का ही परिणाम है कि आज क्षेत्र का तेजी से विकास हुआ है। आज डॉ महंत जी के इच्छानुसार ही सहकारी बैंक की शाखा सारागांव के लोगों को मिला है। उन्होंने बैंक भवन के लिए 25 लाख की राशि देने की बात कही। कार्यक्रम में सहकारी केन्द्रीय बैक मर्यादित बिलासपुर के अध्यक्ष श्री प्रमोद नायक ने बैंक की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने इस बैंक में अन्य बैंकों की तरह सुविधा देने तथा कोर बैंकिंग की सेवा देने की बात भी कही।

कार्यक्रम को पूर्व विधायक मोतीलाल देवांगन, अर्जुन तिवारी, राघवेंद्र सिंह, रविशंकर पांडेय, सीईओ श्रीकांत चंद्राकर आदि ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर नवीन खाताधारकों को पासबुक मुख्य अतिथि के हाथों प्रदान की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यनिता यशवंत चन्द्रा, उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह, श्रीमती आशा बालेश्वर साहू जनपद अध्यक्ष, रामकिशन सूर्यवंशी नगर पंचायत अध्यक्ष, गुलजार सिंह, रवि पांडे, दिनेश शर्मा, देवेश सिंह, श्रीमती पुष्पा पाटले, शेषराज हरवंश, तिलेश्वर राठौर आदि उपस्थित थे।

50 बाड़ियां डेव्हलप होंगी मॉडर्न फार्म हाऊस के तर्ज पर, ड्रेगन फ्रुट, पपीता, केले और सब्जियों का होगा उत्पादन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्ट्रेट सभागार में गौठान और बाडियों को लेकर कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा द्वारा क्रमवार विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। जिले में कलेक्टर ने शीघ्र ही 50 बाडियों को मॉडर्न फार्म हाऊस के रूप में डेव्हलप करने के लिए उद्यानिकी, कृषि और अन्य संबंधित विभागों के साथ चर्चा की। जिले में संचालित बाडियों के साथ नवीन बाडियों का चिन्हांकन कर बाडियों को समूह में बांटकर ड्रेगन फरूट, पपीता, केले जैसे फल और सब्जियों का उत्पादन एक बड़े स्तर पर किया जाएगा। ताकि बाड़ी के कार्य से जुड़े दीदियों को एक वृहद स्तर पर लाभ पहुंचाया जा सके। इसके लिए समूह की दीदियों को ट्रेनिंग फल एवं सब्जियों के बीज और मार्केट उपलब्ध कराया जाएगा।

आवारा पशुओं के प्रबंधन के लिए संबंधित अधिकारी दईहान के लिए भूमि का चिन्हांकन करेंगे। ताकि नगरीय निकायों में आवारा पशुओं को सड़क या चौराहों से हटाकर एक आश्रय दिया जा सके। गांव में भी बरसात के दिनों में खेतों के फसल को नुकसान से बचाने के लिए दईहान का चिन्हांकन किया जाना है। गौठानों में पर्याप्त जगह होने की स्थिति में यह व्यवस्था गौठान के अंदर भी की जा सकती है अन्यथा दईहान के लिए भूमि का निर्धारण अलग से किया जाएगा।

04 रूपए प्रति लीटर गौ-मुत्र 28 जुलाई हरेली के दिन से खरीदने के लिए जिले में गौठानों के सेटअप को लेकर चर्चा की गई। गौ मूत्र का कलेक्शन पहले दिन से ही सक्रिय रूप से हो इसके लिए गौठानों में जो-जो परिर्वतन इन्फ्रास्ट्रक्चर के स्तर पर होना है, उसे कराने के लिए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। गौ मूत्र कलेक्शन के लिए पशु चिकित्सा विभाग के विशेषज्ञों द्वारा गौठान में कार्यरत स्व-सहायता समूह को विशेष ट्रेनिंग, पीएच और विस्कोसिटी लेवल की जांच के लिए मशीन के प्रबंधन का निर्देश भी कलेक्टर द्वारा दिया गया। इस अवसर पर उन्होंने बड़े पशु पालकों के साथ बातचीत कर एक बेहतर रणनीति बनाने की सलाह भी उपस्थित अधिकारियों को दी।

इसके अलावा गौठानों के कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए बिंदुवार चर्चा की गई। जिले में गोबर की खरीदी को और बढ़ाने के लिए पशु पालकों को ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करने, पंजीकृत करने, गौठानों में कम से कम 6 आजीविका मूलक गतिविधियों को चलाने, नरवा को लेकर बेहतर कार्य करने, छोटे नालों को पुर्नजीवित करने, बारहमसी नालों में मछली पालन व सिंघाड़ा, कमल, मखाने, तरबूज के उत्पादन इत्यादि बिंदुओं पर चर्चा हुई।

खास खबर

24 को सीजीपीएससी की तैयारी कर रहे अभ्यार्थियों के लिए कार्यशाला

दुर्ग। दुर्ग में सीजीपीएससी-2023 की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए नेतृत्व साधना केंद्र द्वारा कार्यशाला का आयोजन 24 जुलाई को दोपहर 3 बजे मिनाक्षी नगर में किया जा रहा है। जिसमे परीक्षार्थियों को परीक्षा की डिमांड, तैयारी, सिलेबस का स्वरुप, अपेक्षित दृष्टिकोण का विकास, चुनौतियां, रणनीति, सफलता-असफलता एवं व्यक्तिगत अनुभव के माध्यम से परीक्षा एवं सर्विस की एक व्यापक समझ विकसित करने का एक अवसर प्राप्त होगा। इस कार्यशाला में अतिथि एवं वक्ता के तौर पर कलेक्टर बालोद गौरव कुमार सिंह एवं दुर्ग एस पी अभिषेक पल्लव शामिल होंगे। साथ ही एसएएस जॉइंट कलेक्टर, रायपुर सुभाष सिंह राज और उप-सचिव छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल शामिल होंगे। जो कि अभ्यर्थियों के प्रश्नों के आधार पर अपना अनुभव साझा करेंगे। यह कार्यशाला संस्था के विद्यार्थियों के साथ-साथ अन्य सभी अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की जा रही है।

153 ब्लड यूनिट का ट्रांसफ्यूजन् सीएचसी पाटन में

दुर्ग। सीएचसी पाटन में ब्लड स्टोरेज यूनिट से सफलता पूर्वक 153 ब्लड यूनिट ट्रांसफ्यूजन् कर लाइफसेविंग की गई है। लाभार्थियों में गंभीर कुपोषित बच्चे, हाई रिस्क गर्भवती माताएं, बुजुर्ग, एवं सिकलिंग रोगी तथा अन्य गंभीर रोगियों को ब्लड लगाया गया है। सीएचसी पाटन के ब्लड स्टोरेज यूनिट की प्रभारी मेडिकल लैब टेक्नॉलॉजिस्ट श्वेता भारद्वाज, डॉ नवीन तिवारी, प्रदीप सिन्हा एवं चिकित्सा अधिकारियों एवं पैरामेडिकल स्टाफ के सहयोग से गंभीर एनीमिया वाले मरीजों को ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

टेस्टिंग की संख्या बढ़ाने के लिए 15 कोविड सेंटर खोले जाएंगे

बड़े स्वरूप में फिर से टीकाकरण महा अभियान होगा शुरू, मोबाईल टीम होगी सक्रिय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कोविड संक्रमण को लेकर जिला प्रशासन सतर्क है और इसे रोकने की दिशा में लगातार सकरात्मक कदम उठा रही है। इसी संदर्भ में कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा द्वारा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ कोविड - 19 को लेकर समीक्षा बैठक ली गई और कोविड-19 से बचाव के लिए प्रभावी रणनीति को लेकर गहन चर्चा की गई। बैठक में कोविड टीकाकरण के बूस्टर डोज स्कूली बच्चों में टीकाकरण की स्थिति और सभी आयु वर्ग में टीकाकरण की वर्तमान स्थिति को लेकर संबंधित अधिकारियों से कलेक्टर ने जानकारी ली।

सभी आयु वर्ग में टीकाकरण की वर्तमान स्थिति

टीकाकरण अंतर्गत हितग्राहियों को लगाये गये डोज के संबंध में वर्तमान स्थिति कुछ इस प्रकार है, अबतक 12 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के अंतर्गत 62 हजार 31 को प्रथम डोज व 44 हजार 216 को द्वितीय डोज, 15 से 17 वर्ष आयु वर्ग के अंतर्गत 1 लाख 16 हजार 89 को प्रथम डोज व 82 हजार 656 को द्वितीय डोज, 18 से 59 वर्ष आयु वर्ग के अंतर्गत 10 लाख 29 हजार 123 को प्रथम डोज व 9 लाख 79 हजार 606 को द्वितीय डोज, 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के अंतर्गत 1 लाख 46 हजार 175 को प्रथम डोज व 1 लाख 14 हजार 466 को द्वितीय डोज, फ्रंट लाईन वर्कर वर्ग के अंतर्गत 26 हजार 129 को प्रथम डोज व 17 हजार 153 को द्वितीय डोज एवं हेल्थ केयर वर्कर वर्ग के अंतर्गत 20 हजार 399 को प्रथम डोज व 15 हजार 660 को द्वितीय डोज का वैक्सीनेशन हुआ है।

विद्यार्थियों के टीकाकरण के लिए स्कूलों को किया जाएगा टारगेट

सभी स्कूली बच्चों को टीकाकरण के सुरक्षा कवच से सुरक्षित करने के लिए कलेक्टर ने विशेष निर्देश दिए हैं। उन्होंने उपस्थित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जिला शिक्षा अधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर सभी बच्चों के टीकाकरण को पूर्ण करने के लिए कहा है। जिसके लिए स्कूल अवधि में विभिन्न पालियों में टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा।

कलेक्टर ने बैठक में निर्देशित किया कि कोई भी पात्र व्यक्ति टीकाकरण से वंचित न रहे इस हेतु अधिक से अधिक स्थानों में मोबाईल टीम के द्वारा टीकाकरण कार्य किया जाना सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने हाल ही में शासन के द्वारा जारी आदेश का पालन विधिपूर्वक और बेहतर प्रबंधन के साथ हो ऐसा निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिया। वर्तमान में 18 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों को 30 सितंबर तक निः शुल्क प्रिकॉशन डोज लगाया जाना है। कलेक्टर ने इस अवधि में उपस्थित अधिकारियों को ज्यादा से ज्यादा बड़े स्तर पर महाअभियान को रेगुलर इंटरवेल में चलाने के लिए और विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं द्वारा टेस्टिंग की संख्या बढ़ाने के लिए निर्देशित किया।

18 से अधिक उम्र के व्यक्तियों को 75 वर्ष आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत (75 दिवस)30 सितम्बर 2022 तक निःशुल्क प्रिकॉशन डोज लगाया जाना है। इस हेतु ने विभागीय अधिकारियों को टीकाकरण अभियान चलाये जाने निर्देश दिये हैं। कलेक्टर द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग को जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग के समन्वय स्थापित कर स्कूली बच्चों का टीकाकरण पूर्ण करने हेतु कार्ययोजना बनाकर सभी स्कूली छात्र-छात्राओं को टीकाकृत करने कहा गया । कलेक्टर द्वारा बढ़ते हुए कोविड संक्रमण को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को सक्त निर्देशित किया कि सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में टेस्टींग की संख्या बढ़ाये तथा आम जन को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए बड़े व्यवसायिक स्थानों में 15 टेस्टींग सेंटर खोलकर सुविधाएं उपलब्ध कराने कहा गया है।

समाज की सहमति के आधार पर देवगुडी-घोटूल के मूलस्वरूप में ही किया जाएगा जीर्णोद्धार : कमिश्नर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। कमिश्नर श्याम धावड़े ने कहा कि समाज की सहमति के आधार पर देवगुडी-घोटूल के मूलस्वरूप में ही जीर्णोद्धार किया जाएगा। उन्होंने देवगुड़ी के सेवक बैगा, माँझी, चालकी, गुनिया, सिरहा, पुजारी, आटपहरिया, बाजा मुहरिया को राजीव गांधी भूमिहीन कृषक मजदूर न्याय योजना का लाभ देने के लिए पात्र हितग्राहियों का पंजीयन करवाने में समाज प्रमुख प्रशासन को सहयोग करने की अपील भी की। कमिश्नर श्री धावड़े आज नारायणपुर के जिला कार्यालय के सभाकक्ष में अनुसूचित जनजाति समाज प्रमुखों के साथ आयोजित बैठक में कहा कि घोटूल-देवगुड़ी स्थल का राजस्व, वन रिकार्ड में दर्ज कर देवस्थल को संरक्षित किया जाए। समाज प्रमुखों को जिले में किए जा रहे देवगुड़ी-घोटूल के जीर्णोद्धार कार्य का अवलोकन करवाने के लिए आदिवासी विकास विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए।

इस दौरान नारायणपुर जिले के सर्व आदिवासी समाज, गोंड, अबुझमाड़िया, हल्बा समाज अठारहगढ़िया, हल्बा समाज बत्तीसगढ़िया, हल्बा समाज छत्तीसगढ़ियाँ के प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित थे। इस अवसर पर कलेक्टर श्री ऋतुराज रघुवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री देवेश ध्रुव, डिप्टी कमिश्नर श्रीमती माधुरी सोम संयुक्त कलेक्टर श्री प्रदीप वैद्य सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। कमिश्नर ने समाज प्रमुखों से गाँव स्तर पर जिन बच्चों का सामाजिक प्रास्थिति प्रमाण पत्र जारी नहीं हुआ हो उनकी जानकारी प्रशासन को प्रदान करने को कहा। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को शिविर लगाकर प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए। समाज प्रमुखों ने कुछ अन्य जाति के लोगों द्वारा सामाजिक प्रास्थिति प्रमाण पत्र बनाए जाने की जानकारी दिए जाने पर कमिश्नर ने जाँच करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने नारायणपुर जिले में वन अधिकार मान्यता पत्र और वन अधिकार पुस्तिका का वितरण के सम्बंध में जानकारी ली। कमिश्नर ने सीएफआर के संबंध समाज प्रमुखों को प्रशिक्षित किए जाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर रघुवंशी ने कहा कि जिले में मसाहती सर्वे कार्य में समाज प्रमुखों का सहयोग जरूरी है। मसाहती सर्वे कार्य में गाँव के पटेल, गायता, ग्रामीणों को साथ लेकर करवाने की माँग की। कमिश्नर ने कहा कि एफआरए क्षेत्र में पट्टा धारक को भूमि सुधार सहित अन्य आजीविका उपार्जन के कार्य स्वीकृत करवाएँ। सीएफआरआर क्षेत्र में जंगल की बचाव और वन औषधी को संरक्षित के लिए ग्रामीणों का सहयोग जरूरी है।

क्रिकेट स्टेडियम में खेल का शानदार आगाज, मंत्री शिव डहरिया की गेंद में मुख्यमंत्री ने लगाया चौंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कुम्हारी में साढ़े चार करोड़ रुपए की लागत से बने स्टेडियम के लोकार्पण के मौके पर आयोजित पहला मैच ही कुम्हारी के नागरिकों की स्मृति में हमेशा के लिए दर्ज हो गया। क्रिकेट मैच में बैट्समैन थे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और बॉल थी नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ शिव डहरिया के हाथों में। नगरीय प्रशासन मंत्री ने जो पहली बाल डाली, उसे अंपायर ने वाइट करार दिया। मंत्री की दूसरी बाल पर मुख्यमंत्री ने चौंका जड़ दिया और पूरा स्टेडियम तालियों से गूंज गया। कुम्हारी स्टेडियम का निर्माण साढ़े 4 करोड रुपए की लागत से हुआ है।

मुख्यमंत्री ने स्टेडियम के निर्माण कार्य की प्रशंसा की और कहा कि इस तरह के खेल की बढ़िया अधोसंरचना से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा और कुम्हारी में खेल प्रतिभाओं को निखारने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर 42 करोड़ के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन भी किया इन कार्यों में 10 करोड़ रुपये के लोकार्पण कार्य तथा 31 करोड़ के भूमि पूजन कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कुम्हारी के नागरिकों के प्रस्ताव पर स्टेडियम का नाम स्वर्गीय मिनी माता के नाम पर रखने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि कुम्हारी नगर पालिका में लगातार विकास के कार्य किए जा रहे हैं आज यहां भव्य स्टेडियम और नगर पालिका भवन का लोकार्पण किया गया है। दोनों ही निर्माण कार्य बहुत बढ़िया तरीके से किए गए हैं। कुम्हारी में नागरिक अधोसंरचना की दृष्टि से तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। सौ करोड़ के निर्माण कार्य बीते 3 सालों में हुए हैं और कुछ पर कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे तालाब सौंदर्यीकरण का विषय हो, स्वामी आत्मानंद स्कूल हो या उच्च शिक्षा के लिए कॉलेज। कुम्हारी के सर्वांगीण विकास की दिशा में सरकार कार्य कर रही है।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

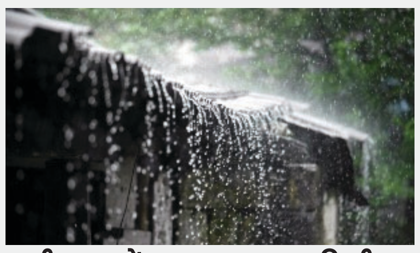

छत्तीसगढ़ में अब तक 459.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 459.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 22 जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1156.9 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 152.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 168.1 मिमी, सूरजपुर में 240.9 मिमी, जशपुर में 196.7 मिमी, कोरिया में 260.7 मिमी, रायपुर में 311.7 मिमी, बलौदाबाजार में 422.3 मिमी, गरियाबंद में 536.4 मिमी, महासमुंद में 468.5 मिमी, धमतरी में 553.6 मिमी, बिलासपुर में 492.8 मिमी, मुंगेली में 511.8 मिमी, रायगढ़ में 393.5 मिमी, जांजगीर-चांपा में 558.7 मिमी, कोरबा में 338.8 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 476.3 मिमी, दुर्ग में 437.1 मिमी, कबीरधाम में 442.2 मिमी, राजनांदगांव में 524.1 मिमी, बालोद में 613.5 मिमी, बेमेतरा में 334.4 मिमी, बस्तर में 563.3 मिमी, कोण्डागांव में 551.8 मिमी, कांकेर में 653.7 मिमी, नारायणपुर में 475.9 मिमी, दंतेवाड़ा में 559.9 मिमी और सुकमा में 457.0 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

कभी डंप होता था कचरा, अब संवरेगा सरोना डंपिंग यार्ड

रायपुर। कभी पूरे रायपुर शहर का कचरा कभी सरोना से लगे इलाके में डंप किया जाता था, अब इस पूरे डंपिंग साइट को संवारने की बारी है। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने आज सरोना के इस बंद कचरा डंपिंग साइट का निरीक्षण किया। उन्होंने साइट पर दबे कचरे को उपचारित (रिमेडीयेशन) करने की कार्य योजना की जानकारी नगर निगम के अधिकारियों से ली। उन्होंने बरसात का मौसम खत्म होते ही डंपिंग साइट पर काम शुरू करने के निर्देश निगम के अधिकारियों को दिए। सरोना कचरा डंपिंग साइट में उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद 25 जून 2019 से कचरा डंप करना प्रतिबंधित है। इस लगभग 27 एकड़ के क्षेत्र में पहले डाले गए कचरे को उपचारित करने (रिमेडीयेशन) के लिए राज्य शासन ने लगभग 18 करोड़ रुपये की स्वीकृति भी दे दी है। इस राशि से डंपिंग साइट पर दबे लगभग साढ़े चार लाख मीट्रिक टन कचरे को उपचारित किया जाएगा। कचरे को खोदकर उसमें से प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट सामग्रियों को अलग किया जाएगा और उन्हें अन्य सुरक्षित वैज्ञानिक विधियों से उपचारित किया जाएगा। इसके बाद डंपिंग साइट पर वृहद वृक्षारोपण कर उसका सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

भूतपूर्व सैनिकों के बच्चों को पढ़ाई के लिए मिलेगी छात्रवास की सुविधा

रायपुर। सभी भूतपूर्व सैनिकों और उनकी विधवाओं के बच्चों की पढ़ाई के लिए शिक्षा सत्र 2022-2023 में रायपुर में छात्रावास की सुविधा मिलेगी। रायपुर, धमतरी, बलौदाबाजार, महासमुन्द एवं गरियाबंद जिले के भूतपूर्व सैनिकों, सैनिक विधवाओं और आश्रितों से इसके लिए 25 अगस्त तक आवेदन लिए जांएगे। केवल जिला सैनिक कल्याण कार्यालय रायपुर में पंजीकृत भूतपूर्व सैनिक, सैनिक विधवा और आश्रित ही आवेदन कर सकेंगे। जिन भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओ के बच्चे इस छात्रावास में रहकर स्कूल अथवा कॉलेज का अध्ययन पूर्ण करना चाहते है, वे अपने बच्चों के नाम, कक्षा, स्कूल और कॉलेज इत्यादि का विवरण जिला सैनिक कल्याण कार्यालय रायपुर मे आकर 25 अगस्त तक नाम तथा विवरण जमा करें अथवा ईमेल dsworaipur@yahoo.com के माध्यम से भी विवरण भेज सकते है। अधिक जानकारी के लिए अपने जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में कार्यालयीन समय पर आकर सम्पर्क किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री से कोरवा समाज के शिक्षित युवाओं ने की सौजन्य मुलाकात

विशेष पिछड़ी जनजाति के युवाओं को रिक्त पदों पर सीधी भर्ती की घोषणा के लिए जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से विधानसभा परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में सरगुजा संभाग के बलरामपुर, लुंड्रा और सीतापुर क्षेत्र से आए कोरवा समाज के शिक्षित युवाओं ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष पिछड़ी जनजाति के शिक्षित युवाओं को रिक्त पदों पर सीधी भर्ती की घोषणा किये जाने पर मुख्यमंत्री बघेल का आभार जताया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशव्यापी भेंट मुलाकात कार्यक्रम के तहत अपने जशपुर प्रवास में विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के शिक्षित युवाओं को पात्रतानुसार तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती की घोषणा की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति के शिक्षित युवाओं के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखकर हमने तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर पात्र युवाओं की सीधी भर्ती करने का फैसला लिया है ताकि विशेष पिछड़ी जनजाति के युवाओं को भी उनकी योग्यतानुसार रोजगार के अवसर मिल सकें। युवाओं ने मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री को अपनी मांगों के सम्बंध में ज्ञापन भी सौंपा। उस अवसर पर खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, संसदीय सचिव चंद्रदेव राय, विधायक डॉ. प्रीतम राम व सन्त कुमार नेताम तथा कोरवा समाज से धीरन राम, दीपक कोरवा, परसू राम, देवानन्द, अमित, रामचन्द्र सहित अनेक युवा उपस्थित रहे।

गोधन न्याय योजना की देशभर में हो रही सराहनाः सीएम बघेल

रायपुर (ए)। राज्य सरकार की नरवा-गरवा-घुरुवा और बाड़ी योजना ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती का सामना करने का बेहतर माध्यम बन सकता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि इस योजना की वजह से राज्य के कई हिस्सों में भूजल स्तर बढ़ा है। अचानकमार के जंगलों से अब हाथी बाहर नहीं निकल रहे हैं, क्योंकि नरवा योजना के कारण अब जंगल में उन्हें पानी और चारा दोनों मिल जा रहा है।

विधानसभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा का उत्तर देते हुए बघेल ने कहा कि हमारी गोधन न्याय योजना पूरे देश को दिशा दिखाने वाली योजना है। गोधन न्याय योजना को लेकर विपक्ष के आरोपों का उत्तर देते हुए बघेल ने कहा कि इसकी जितनी आचोलना करना है करिए, लेकिन इससे कोई बेहतर विकल्प है तो वह भी बताइए। उन्होंने कहा कि नई योजना है।

इसमें निरंतर सुधार हो रहा है। जो समस्याएं आ रही हैं, उनका समाधान भी किया जा रहा है। बजट प्रविधानों की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि हरेली पर्व से गोमूत्र की खरीदी भी शुरू करने जा रहे हैं। इससे राज्य में जैविक खेती को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पशुओं के उपचार के लिए 163 मोबाइल वेटनरी यूनिट शीघ्र प्रारंभ की जाएगी। इसके लिए अनुपूरक में 10 लाख का प्रविधान किया गया है।

हाट-बाजार क्लीनिक योजना की मोबाइल यूनिटों के लिए 300 चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती, कोरबा, कांकेर, महासमुंद के मेडिकल कालेज के भवन निर्माण, उपकरणों की व्यवस्था और बिलासपुर के कैंसर संस्थान के लिए 250 करोड़ दिया गया है। गोठानों में विकसित किए जा रहे महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क में लगने वाली यूनिटों को बिना बिजली की खपत की सीमा के कुल बिजली बिल में हाफ बिजली बिल योजना का लाभ दिया जाएगा।

अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री की घोषणा

- रूरल इंडिस्ट्रीयल पार्क के कुटीर उद्योगों को मिलेगा बिजली बिल हॉफयोजना का लाभ
- कोरबा, कांकेर और महासमुंद में मेडिकल कालेज का बनेगा भवन
- बिलासपुर के कैंसर संस्थान के लिए बजट में 250 करोड़ रुपये का प्रविधान
- 120 देवगुड़ी और 94 घोटुल के लिए 25.50 करोड़
- राजिम माघी पुन्नी मेला स्थल विकास के लिए 1.85 करोड़
- गिरौदपुरी एवं भंडारपुरी के विकास के लिए एक करोड़
- रामायण मंडली प्रोत्साहन योजना के लिए 10 करोड़
- दामाखेड़ा के विकास के लिए नौ करोड़
- मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के लिए 79.68 लाख
- शहरी क्षेत्रों में अमृत मिशन 2.0 के लिए 155 करोड़
- खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला कार्यालय एवं भू-अभिलेख कार्यालय के लिए 58 पदों का सृजन
- साल्हेवारा, पिपरिया, कुंडा, बचरापोड़ी, चलगली, हसौद व सरगांव तहसील कार्यालयों के लिए 104 पदों का सृजन
- ग्राम छोटे डोंगर जिला नारायणपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना के लिए 111 पदों का सृजन

सीएम बघेल की घोषणा पर अमल करते हुए मेडिकल की छात्रा को मिली 5 लाख रुपए की आर्थिक मदद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घोषणा के अनुरूप कोरिया जिले की मेडिकल की छात्रा सुश्री खुशी मेघानी की पढ़ाई के लिए पांच लाख रूपए का चेक शासन के द्वारा उनके माता-पिता को सौंपा गया। मुख्यमंत्री बघेल ने भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान जिला प्रवास के समय मनेन्द्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के नई लेदरी में विभिन्न समाज एवं संगठनों के पदाधिकारी सहित जनसामान्य से मुलाकात के दौरान मेडिकल की छात्रा खुशी मेघानी को अध्ययन के लिए शासन की ओर से पांच लाख रूपए स्वीकृत किए जाने की घोषणा की थी। जिस पर कार्यवाही करते हुए आज कोरिया के कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने खुशी के माता-पिता को आर्थिक सहायता राशि का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता के लिए छात्रा खुशी के पिता विजय और माता प्राची ने उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री से नई लेदरी में मुलाकात के दौरान खुशी ने बताया था कि वह एम्स भोपाल में अध्ययनरत है। नीट में उन्होंने सेकण्ड रेंक हासिल की है। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण कॉलेज की फीस और पढ़ाई प्रति वर्ष एक लाख रूपए का खर्च वहन करने में दिक्कत आ रही है। जिसपर मुख्यमंत्री ने खुशी मेघानी की पढ़ाई के लिए मौके पर ही पांच लाख रूपए स्वीकृत किए जाने की घोषणा की।

प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन आमंत्रित, सेवानिवृत्त सैनिकों के बच्चों को मिलेगी सुविधा

रायपुर (ए)। सेवानिवृत्त सैनिकों के बच्चे, जो इस वर्ष व्यावसायिक पाठ्यक्रम में दाखिला ले चुके हैं या लेने वाले हैं, वे प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना के पात्र होंगे। वे आनलाइन आवेदन डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डाट केएसबी डाट जीवोवी डाट इन वेबसाइट में कर सकते हैं। दस्तावेजों की जांच जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कार्यालय में करा सकते हैं।

कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक रायपुर, धमतरी, महासमुंद, बलौदाबाजार, गरियाबंद के आवेदक रायपुर कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। एमसीआइ, एसआइसीटीई, यूजीसी जैसे संस्थानों में और इनसे मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग, मेडिकल, डेंटल, वेटनरी, एमबीए, बीबीए, बीसीए, एमसीए, बीएड, बी. फार्मा.डी में दाखिला लिए हैं और 12वीं में 60 प्रतिशत से अधिक अंक हैं, वे सभी प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना के पात्र हैं।

30 नवंबर है ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि

ऑनलाइन आवेदन भरने की अंतिम तिथि 30 नवंबर 2022 है। छात्रवृत्ति की राशि लड़कों के लिए 2500 रुपये प्रतिमाह और लड़कियों के लिए 3000 रुपये प्रतिमाह है। अधिक जानकारी के लिए राजधानी स्थित जिला सैनिक कल्याण कार्यालय अथवा दूरभाष क्रमांक-0771-2237449 या मोबाइल क्रमांक-7646853020 पर संपर्क किया जा सकता है

शंकर नगर की लाइब्रेरी का बदलेगा समय, एक अगस्त से तीन घंटे ज्यादा खुलेगी

कलेक्टर भुरे ने किया औचक निरीक्षण, परीक्षार्थियों से भी बात की

प्रतियोगी परीक्षाओं के विद्यार्थियों की पढ़ाई के लिए बढ़ेगी सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शंकर नगर की लाइब्रेरी में पी.एस.सी, यु.पी.एस.सी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए सुविधाएं जल्द ही बढ़ेगी। लाइब्रेरी खुले रहने का समय भी बदलेगा। लाइब्रेरी तीन घंटे ज्यादा खुलेगी। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने आज शंकर नगर स्थित लाइब्रेरी का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने यहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों से बात की। उन्होंने लाइब्रेरी में मौजुद सुविधाओं की जानकारी अधिकारियों से ली। विद्यार्थियों ने बातचीत के दौरान कलेक्टर से लाइब्रेरी खुले रहने की टाइमिंग बढ़ाने की माँग की। कलेक्टर ने विद्यार्थियों की मांग पर अधिकारियों से मौके पर ही चर्चा की और लाइब्रेरी संचालन का समय तीन घंटे बढ़ाने के निर्देश दिए। शंकर नगर की लाइब्रेरी विद्यार्थियों के लिए एक अगस्त से सुबह 8 से रात्रि 8 तक खुलेगी। कलेक्टर ने लाइब्रेरी में साफ-सफाई सहित अन्य सुविधाओं के लिए कर्मचारियों की सेवाएँ लेने के निर्देश दिए। उन्होंने लाइब्रेरी में पानी की अबाध आपूर्ति के लिए संपवेल बनाने और नगर निगम से नया नल कनेक्शन लेने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने विद्यार्थियों की मांग पर भोजन के लिए परिसर में अस्थाई डाईनिंग शेड बनाने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने लाइब्रेरी के भवन में तीसरे माले पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर एक सौ नए विध्यर्थियो को प्रवेश देने के भी निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि शंकर नगर की इस लाइब्रेरी में वर्तमान में 700 विद्यार्थी पंजीकृत है। यह लाइब्रेरी अभी सुबह साढ़े दस बजे से शाम साढ़े सात बजे तक खुलती है। लगभग तीन घंटे अधिक समय बढ़ जाने से लाइब्रेरी में आकर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए अतिरिक्त मदद मिलेगी। कलेक्टर डॉ. भुरे ने लाइब्रेरी परिसर में ही बनने वाले तीन सौ सत्तर सीटर नई लाइब्रेरी भवन स्थल का भी अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता पूर्ण काम पूरे करने के निर्देश दिए। नई लाइब्रेरी का भवन तीन करोड़ रुपए की लागत से बनेगा।

इंजीनियरिंग की बजाय एग्रीकल्चर और फार्मेसी सीटों के लिए कड़ा मुकाबला

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ में इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर व फार्मेसी में दाखिले के लिए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल ने प्रवेश परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए हैं। काउंसलिंग की प्रक्रिया संभवतः 10 सितंबर से शुरू होगी। लेकिन, पाठ्यक्रम के अनुसार सीटों की स्थिति पर बात करें तो इंजीनियरिंग की बजाय एग्रीकल्चर और फार्मेसी सीटों के लिए छात्रों के बीच कड़ा मुकाबला है। प्री-इंजीनियरिंग टेस्ट (पीईटी) में 11,291 सीटों के लिए 12,490 छात्रों ने परीक्षा दिया था। एग्रीकल्चर की 2500 सीटों के लिए 48 हजार व बी-फार्मेसी की 3192 सीटों के लिए 37 हजार छात्रों ने परीक्षा दी थी। इस आधार पर कम सीटें व ज्यादा छात्र होने की वजह से एग्रीकल्चर व फार्मेसी सीटों में दाखिले को लेकर छात्रों में प्रतिस्पर्धा देखी जा रही है।

30 अगस्त तक देंगे सीटों की जानकारी

विश्वविद्यालय द्वारा 30 अगस्त तक तकनीकी शिक्षा से जुड़े सीटों की जानकारी विभाग को उपलब्ध कराना होगा। इसके आधार पर काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू होगी। अधिकारियों का कहना है कि 20 अक्टूबर तक दाखिले पूर्ण कर लिए जाएंगे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

स्टारकिडः झूठ नहीं बोल सकती, हां मुझे चीजें आसानी से मिली हैंः जाह्नवी कपूर

श्रीदेवी और बोनी कपूर की बिटिया जाह्नवी कपूर ने करियर का आगाज रीमेक फिल्म से किया था। आगे उनकी दो और फिल्में 'गुड लक जेरी' और 'मिली' भी तमिल और मलयाली फिल्म की रीमेक हैं। उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म के बारे में बात की।

जेरी की दुनिया क्या है?

उसकी दुनिया पंजाब में है, मगर वह है बिहार से। ढेर सारा पागलपन उसकी लाइफ में है। उसने अपनी जिंदगी में काफी मुश्किलें देखी हैं। लिहाजा उसे लगता है कि उसे थोड़ी बहुत लक की जरूरत है, जिससे वह बुरे हालातों से निकले। अपनी मां और बहन के लिए, आराम की जिंदगी जिए।

बिहारी के लिए काफी तैयारी की है? नई चीज क्या जानी बिहार के बारे में?

डॉयलेक्ट के लिए हम कई जगह जाकर सेशंस करते थे। बिहार के लोग वाकई बड़े मजेदार होते हैं। उनका जो बात करने का तरीका होता है, उसमें ही बड़ी मिठास होती है। उनके गाने काफी मजेदार हैं। वो जो एक गाना है 'लगावेलू जब तू लिपस्टिक हिलेला आरा डिस्ट्रिक्ट', वह बड़ा कमाल का है। हमारे डायलेक्ट कोच गणेश सर हमसे हर रोज यह गाना रियाज करवाते थे।

स्टार किड है, इसे तो हर चीज आसानी से मिल गई? इसपर क्या सोचती हैं?

मेरा जवाब और नजरिया तो वही है। हां, मुझे चीजें आसानी से मिली हैं। मैं झूठ तो नहीं बोल सकती कि मैंने बहुत कष्ट से इस इंडस्ट्री में कदम रखा है। लेकिन मैं क्या कर सकती हूं? मुझे एक्टिंग से बेहद प्यार है। मैं एक्ट करना चाहती हूं। एक्टिंग ही मेरी पूरी जिंदगी है। इसी से मुझे खुशी मिलती है। गलत बात यह होती कि मैं मिल रहे मौकों का गलत फायदा उठाकर कुछ काम ही नहीं करती। जब दिल करता सेट पर आती-जाती रहती। पर मैं बिल्कुल अवेयर हूं कि मुझे मौके आसानी से मिले हैं तो मैं दोगुनी मेहनत कर दूसरों की नजरों में खुद को साबित कर रही कि मैं इसकी हकदार हूं। अब ये कब पता लगेगा, उसकी गारंटी कोई नहीं दे सकता। मेरे हाथ में सिर्फ इतना है कि मैं दिल और जान लगाकर काम करती रहूं।

'गुड लक जेरी' में सबसे बड़ी चुनौती क्या थी?

यही कि ये किरदार बहुत पेचीदा है। मुझे हमेशा मासूम, भोली युवतियों वाले रोल के बॉक्स में डाला गया था। ये भी ऊपरी तौर पर वैसा ही है, मगर इसका जो आर्क है, जो बदलाव आता है, जेरी में, वह काफी अलग है। खुद के बारे में जो वह बहुत कुछ जानने लगती है तो वो कैसे दर्शाऊं, उस पर काफी काम किया।

कभी मौका मिले तो किस फिक्शनल कैरेक्टर से मिलना चाहेंगी?

पुष्पा, मुझे उनका वाला स्टेप सीखना है। अल्लू सर से मिलना तो नहीं हुआ कभी। मलयाली सिनेमा तो पसंद है ही। मसाला में मुझे पुष्पा भी बहुत पसंदीदा है। मैंने उसे घर के कमरे में देखा था, पर वहां भी देखकर सीटी बजा रही थी।

दुनिया भर में फिर से रिलीज होगी महेश बाबू की ये कल्ट फिल्म

सालगिरह पर जबरदस्त जश्न की तैयारी

फिल्म 'लाइगर' के ट्रेलर रिलीज पर मुंबई पहुंचे निर्देशक पुरी जगन्नाथ ने संकेत दिए कि हिंदी सिनेमा के तमाम निर्माताओं से उनकी नई फिल्मों के लिए बातचीत हो रही है। लेकिन फिल्म 'लाइगर' के बाद वह अभी विजय देवरकोंडा की ही एक और फिल्म 'जन गण मन' में व्यस्त रहेंगे और उसके बाद ही किसी नई फिल्म के बारे में सोचेंगे। इस बीच पुरी जगन्नाथ की सुपरडुपर हिट फिल्म 'पोकिरी' को अगले महीने फिर से रिलीज करने की योजना बन रही है। यह वही फिल्म है जिसने अभिनेता महेश बाबू को तेलुगू सिनेमा के चोटी के सितारों में रातों रात ला खड़ा किया था।

महेश बाबू की सालगिरह का जश्न

फिल्म 'पोकिरी' महेश बाबू के करियर की सबसे यादगार फिल्म मानी जाती है। पुरी जगन्नाथ निर्देशित इस फिल्म ने साल 2006 में अपनी रिलीज के समय शानदार कारोबार किया था और इस फिल्म ने ही महेश बाबू को तेलुगू कमर्शियल सिनेमा का बड़ा सितारा भी बनाया धा। जानकारी के मुताबिक इस फिल्म का नया फोर के एचडी संस्करण तैयार किया गया है और इसे फिर से सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी इन दिनों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में जोरों से चल रही है। फिल्म को विदेश में भी रिलीज करने की तैयारी है और इसके लिए स्क्रीन्स की बुकिंग करीब करीब पूरी हो चुकी है।

9 अगस्त को रिलीज होगी फिल्म 'पोकिरी'

महेश बाबू की हिट फिल्म 'पोकिरी' को फिर से 9 अगस्त को रिलीज किया जाएगा और इसी दिन महेश बाबू का जन्मदिन भी होता है। 47 साल के होने जा रहे महेश बाबू की इस फिल्म के हिंदी रीमेक 'वांटेड' ने हिंदी सिनेमा में सलमान खान का सुपरस्टारडम भी लौटाया था। हिंदी में इसे प्रभुदेवा ने निर्देशित किया। इसके पहले प्रभुदेवा ने इस फिल्म को तमिल में 'पोक्किरी' के नाम से बनाकर अपनी निर्देशन पारी की शुरुआत की थी। तमिल में तो ये फिल्म सफल रही हैं, हिंदी में तो इसने कमाई के तमाम रिकॉर्ड भी अपनी रिलीज के समय तोड़े थे। फिल्म 'पोकिरी' इसके अलावा कन्नड़ में 'पोरकी' के नाम स बन चुकी है। बांग्लादेश में भी इसी कहानी पर एक फिल्म बनी और सुनने में आया है कि पाकिस्तान में भी इसकी रीमेक की चर्चा चलती रही है जिसमें अभिनेता प्रकाश राज को भी काम करना है।

महेश बाबू हो गए थे भ्रमित

फिल्म 'पोकिरी' के बाद इसके हीरो महेश बाबू के पास फिल्मों के ऑफर्स की लाइन लग गई थी और वह खुद बताते हैं, फिल्म 'पोकिरी' करने के बाद मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि मैं अगली फिल्म कौन सी करूं? मैं हर स्क्रिप्ट पढ़नी या सुननी शुरू करने से पहले ही सीधे क्लाइमेक्स पर पहुंच जाता था और मुझे लगता था कि हर फिल्म का अंत इस फिल्म जैसा ही हो। इसने मुझे इतना भ्रमित किया कि मैंने कोई नई फिल्म तुरंत साइन न करने का फैसला कर लिया। मैंने सिनेमा से सात महीने का ब्रेक लिया लेकिन ये लगातार खिंचता गया और 'पोकिरी' के बाद मेरी अगली फिल्म रिलीज होने में करीब दो साल का समय लग गया।

पुरी जगन्नाथ पर टिकी निगाहें

इस बीच, हिंदी सिनेमा का उद्धार करने के लिए तेलुगू फिल्म निर्देशकों की मांग जैसे जैसे बढ़ती जा रही है, तेलुगू सिनेमा में भी अपनी फिल्मो का विस्तार उत्तर भारत तक करने की योजनाएं जोर पकड़ रही है। पुरी जगन्नाथ को हाल ही में हिंदी सिनेमा के एक बड़े हीरो के साथ एक बहुभाषीय फिल्म निर्देशित करने का मौका मिला है। लेकिन वह अभी इस पर बस विचार ही कर रहे हैं। पुरी जगन्नाथ ने हिंदी सिनेमा में पहली फिल्म अपनी डेब्यू फिल्म 'बदरी' की रीमेक के तौर पर 'शर्त द चैलेंज' बनाई थी। उनकी दूसरी फिल्म अमिताभ बच्चन के साथ 'बुड्ढा होगा तेरा बाप' रही।

'केजीएफ2' को सिनेमाघरों में पूरे हुए 100 दिन, मेकर्स ने खास अंदाज में किया सेलिब्रेट

साउथ अभिनेता यश स्टारर 'केजीएफ2' ने अपनी पहले दिन से ही धुआंधार कमाई की थी और ये फिल्म अब ब्लॉकबस्टर बन चुकी है। इसी के साथ एक्टर यश भी पैन इंडिया स्टार का तमगा हासिल कर चुके हैं। आज केजीएफ 2 को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 100 दिन पूरे हो चुके हैं। इस खास मौके को और भी ज्यादा खास बनाने के लिए मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम से एक विशेष वीडियो साझा किया है।

हंबल फिल्म्स के द्वारा फिल्म 'केजीएफ 2' का जो वीडियो साझा किया गया है, उसमें अभिनेता यश के कुछ दृश्यों के साथ बैकग्राउंड में 'कुछ भी होने दो फिर भी डरना नहीं' गीत बज रहा है। इस शानदार वीडियो को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा- हमारे लिए इस अद्भुत यात्रा की पटकथा और स्टिचिंग के लिए धन्यवाद। हम अभी भी अपने चारों ओर उल्लास और गूंज महसूस कर सकते हैं। हम आपको रोमांचित रखने का वादा करते हैं। हमारे अगले समॉन्स्टर हिट और हमारे होम रन के साथ!।

केजीएफ 2 के मेकर्स द्वारा जारी किए गए इस वीडियो को देखने के बाद फैंस ने अपनी प्रतिक्रिया से कमेंट बॉक्स भर दिया है। केजीएफ भाग 1 और केजीएफ भाग 2 देखने के बाद अब दर्शकों को इसके तीसरे भाग को देखने का बेसब्री से इंतजार है। केजीएफ चैप्टर 2 की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद अब चैप्टर 3 बनाने की चर्चाएं भी जोरों पर हैं। हालांकि मेकर्स या किसी भी कलाकार की तरफ से कोई आधिकारिक बयान साझा नहीं किया गया है।

प्रशांत नील द्वारा निर्देशित, पैन-इंडिया फिल्म में दक्षिण अभिनेता यश के अलावा संजय दत्त रवीना टंडन, प्रकाश राज और श्रीनिधि शेट्टी अहम किरदारों में नजर आए। इस फिल्म को दर्शकों की काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली और पोस्ट कोविड में इसने 500 करोड़ रुपये से अधिक का संग्रह किया। वर्तमान में 'केजीएफ 2' सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तीसरी फिल्म है।

पत्नी की सहेली से इश्क कर बैठे थे हिमेश रेशमिया, 12 साल तक डेट कर लिया था शादी का फैसला

बॉलीवुड के नामचीन सिंगर, कंपोजर और एक्टर हिमेश रेशमिया को आज किसी पहचान की जरूरत नहीं हैं। सिनेमा की दुनिया में अपनी गायकी और अपने अलग स्टाइल से हिमेश ने लोगों के दिल और दिमाग में अपनी एक अलग जगह बनाई है। उन्होंने बॉलीवुड की कई फिल्मों में बेहतरीन म्यूजिक दिया है। हिमेश ने म्यूजिक की दुनिया में बिल्कुल नीचे से शुरुआत की थी, इसलिए वह अपनी फिल्मों और म्यूजिक एल्बम में अक्सर नए-नए टैलेंट्स को मौका देते रहते हैं। हिमेश आए दिन किसी न किसी वजह से लाइमलाइट में बटोरते हैं, लेकिन प्रोफेशनल लाइफ से अलग सबसे ज्यादा चर्चा उनकी दूसरी शादी की हुई थी। हिमेश उस वक्त अचानक से चर्चाओं में आ गए थे, जब उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड सोनिया कपूर से गुपचुप तरीके से दूसरी शादी की थी। 23 जुलाई, 1973 को जन्मे हिमेश रेशमिया के 49वें जन्मदिन पर जानते हैं कि सोनिया और उनकी लव स्टोरी कहां से शुरू हुई।

घर में मुलाकातों से शुरू हुई लव स्टोरी

म्यूजिक इंडस्ट्री में फर्श से अर्श तक का सफर तय करने वाले विपिन रेशमिया उर्फ हिमेश रेशमिया शादीशुदा होते हुए भी सोनिया के प्यार में गिरफ्तार हो गए थे। बताया जाता है टीवी इंडस्ट्री में कई सीरियल्स में काम कर चुकी सोनिया, हिमेश की पहली पत्नी कोमल की बहुत अच्छी दोस्त थीं। वह हिमेश और कोमल की बिल्डिंग में ही रहा करती थीं और उनके घर पर सोनिया का आना-जाना लगा रहता था। दोनों की पहली मुलाकात भी कोमल ने ही कराई थी, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि उनकी सहेली ही उनकी सौतन बन बैठेगी। हिमेश और सोनिया ने साल 2006 में ही एक-दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया था, जिसका अंदाजा कोमल को नहीं था। हिमेश के जीवन में सोनिया की एंट्री होते ही कोमल का आउट होना तय हो गया था। हिमेश, फिल्मी पर्दे और टीवी पर अपने हुस्न के जलवे बिखेरने वाली सोनिया के प्यार में इस कदर पागल थे कि उन्होंने अपनी 22 साल पुरानी शादी को तोड़ने का फैसला किया। साल 2017 में अपनी शादीशुदा जिंदगी को खत्म करते हुए हिमेश ने कोमल को तलाक दे दिया था। दोनों के बीच कभी भी कोई विवाद नहीं हुआ, जिसकी वजह से अचानक दोनों के तलाक की खबर काफी चौंकाने वाली थी। लेकिन बाद में धीरे-धीरे सब साफ होता गया। हालांकि, एक इंटरव्यू में हिमेश ने कबूला था कि कोमल और उन्होंने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया था। कोमल और हिमेश का एक बेटा भी है, तलाक के बाद जिसका ख्याल दोनों साथ मिलकर रख रहे हैं।

12 साल के रिलेशन के बाद शादी

इंडस्ट्री के सबसे अमीर और सफल गायकों में गिने जाने वाले हिमेश ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड सोनिया कपूर के साथ 12 साल तक रिलेशन में रहने के बाद शादी करने का फैसला किया था। 11 मई, 2018 को हिमेश और सोनिया लोखंडवाला स्थित अपार्टमेंट में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों की शादी बहुत ही गुपचुप तरीके से हुई थी, जिसमें सिर्फ परिवार के सदस्य और कुछ करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। हिमेश और सोनिया की शादी को चार साल बीत चुके हैं और दोनों खुशहाल जिंदगी बिता रहे हैं। बता दें सोनिया 'किट्टी पार्टी', 'पिया का घर', 'कुसुम', 'कभी हां कभी ना', 'सती ज द पावर ऑफट्रुथ', 'रीमिक्स', 'बाबुल की प्रार्थना', 'लव यू जिंदगी', 'यस बॉस ', 'जय गणेश' और 'जय हनुमान' ' जैसे धारावाहिकों में काम कर चुकी हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI[th] XII[th] B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O.
&
CLERK,
MBA,
RLY.,
SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

आप जहां रहते हैं ,वहां के आसपास का वातावरण स्वस्थ रहना चाहिए- हर्षित मुनि

राजनांदगांव। जैन संत हर्षित मुनि ने कहा कि आप जहां रहते हैं वहां के आसपास का वातावरण स्वस्थ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुआओं का भी जीवन में काफी असर होता है। आपके अगल बगल वाले यदि आपके बारे में बुरा सोचेंगे तो उसका असर हमारे जीवन में भी पड़ेगा। समता भवन में आज अपने प्रवचन में उन्होंने कहा कि बद् दुआ को दुआ में बदलने का प्रयास करो। उन्होंने कहा कि घर में कुछ हो रहा है तो हम यह समझते हैं कि यह वास्तु दोष की वजह से हो रहा है। वस्तुत: यह हमारे द्रव्य के मजबूत होने और कर्म के कमजोर होने के कारण होता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति हमारे अगल बगल का वातावरण अशुद्ध होने की वजह से भी उत्पन्न होती है । व्यक्ति को अपने कर्म को बदलने का प्रयास करना चाहिए ताकि आसपास के वातावरण को वह शुद्ध कर सके। हर्षित मुनि ने कहा कि व्यक्ति अपने कर्मों को बदलना नहीं चाहता। वह अपने आप को सुधारना नहीं चाहता, अपनी वृत्ति भी बदलना नहीं चाहता इसलिए वह कितना भी वास्तु शास्त्र के हिसाब से अपने वातावरण को सुधारने का प्रयास कर ले किंतु वह नहीं सुधरता।

प्रथम छत्तीसगढ़ राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता 29 से

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के तत्वावधान में राजनांदगांव जिला टेबल टेनिस संघ द्वारा दिनांक 29 से 31 जुलाई, 2022 तक प्रथम छत्तीसगढ़ राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2022 का आयोजन बास्केट बाल हाल, दिग्विजय स्टेडियम, राजनांदगांव में किया जा रहा है उक्त प्रतियोगिता के सम्बन्ध में छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष शरद शुक्ला ने जानकारी दी की वर्ष 2020 से कोविड-19 के कारण राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन नहीं किया जा सका था जिसको इस वर्ष से पुन: आरम्भ किया जा रहा है। प्रतियोगिता में राज्य के सभी जिलों से कुल मिलाकर लगभग 150 पुरुष एवं महिला खिलाडियों के भाग लेने की संभावना है। यह प्रतियोगिता एकल इवेंट्स में सीनियर पुरुष एकल, सीनियर महिला एकल, जुनियर बालिका एकल, होप्स (ह्ष्ठश्वक्र-11) बालक एकल तथा होप्स (ह्ष्ठश्वक्र-11) बालिका एकल हेतु कुल मिलाकर 12 वर्गों में आयोजित की जायेगी।

रोहित पंडा ने 33वें अंतर्राष्ट्रीय जीव विज्ञान ओलंपियाड में रजत पदक जीतकर बढ़ाया मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रोहित पंडा छत्तीसगढ़ के एकमात्र छात्र हैं जिन्होंने 10 जुलाई से 18 जुलाई 2022 तक आर्मेनिया के येरेवन शहर में आयोजित 33वें अंतर्राष्ट्रीय जीव विज्ञान ओलंपियाड (आईबीओ) में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के विद्युत संगठन के भारी अनुरक्षण विद्युत विभाग के उपमहाप्रबंधक रंजन कुमार पंडा एवं गृहणी श्रीमती रूपाली पंडा के सुपुत्र रोहित पंडा ने जीवविज्ञान विषय में अंतर्राष्ट्रीय ऑलंपियाड में रजत पदक जीत कर भिलाई सहित पूरे देश और प्रदेष का नाम रौषन किया है। रोहित पंडा पूरे प्रदेष में इकलौते छात्र है जिन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए जीवविज्ञान विषय में अंतर्राष्ट्रीय ऑलंपियाड में भारत का प्रतिनिधित्व करने की पात्रता हासिल की थी। इस हेतु प्रतिभागियों को चार स्तर के कड़ी परीक्षाओं से गुजर कर पांचवे स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय ऑलंपियाड हेतु क्वालीफाई करना होता है।

विदित हो कि रोहित का होमी भाभा साइंस एजुकेशन सेंटर, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई द्वारा आयोजित बायोलॉजी ओलंपियाड के कठोर दौर को क्वालीफाई करने के बाद, उन्हें भारत के विभिन्न राज्यों के 3 अन्य छात्रों के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था।

रोहित ने होमी भाभा साइंस एजुकेशन सेंटर, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई में दो सप्ताह के प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, आर्मेनिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय जीव विज्ञान ओलंपियाड में भाग लिया जहां 60 से अधिक देशों के छात्रों ने अपनी भागीदारी दी इसके तहत प्रत्येक देश के सर्वश्रेष्ठ 4 प्रतिभागियों को ही इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु भेजा जाता है।

उल्लेखनीय है कि होमी भाभा साइंस एजुकेशन सेंटर, टीआईएफआर, मुंबई द्वारा भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, खगोलषास्त्र, जूनियर साइंस और गणित शास्त्र में ऑलंपियाड परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इसके अंतर्गत भारत में चार स्तरों पर प्रतियोगिता आयोजित होती है। छात्र इन चार स्तरों को पार करने के पष्चात ही पांचवे स्तर के अंतर्राष्ट्रीय ऑलंपियाड हेतु चयनित होते है। इन चार स्तरों से गुजरकर श्री रोहित पंडा ने जीवविज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय ऑलंपियाड में जाने की पात्रता हासिल की थी। इस दौरान प्रतिभागियों को कड़े परीक्षण के विभिन्न दौर से गुजरना होता है।

इसके तहत नवीनतम सोच और तीव्र वैचारिक मंथन से गुजारा जाता है। यह कठिन परीक्षण दुनिया भर से सबसे अच्छे नवोदित जीवविज्ञानी चुनने के लिए एक लिटमस टेस्ट साबित होते है। इसमें प्रतिभागियों को कड़े मापदण्ड के तहत दो सैद्धांतिक पेपर (प्रत्येक 3 घंटे की अवधि) और चार व्यावहारिक परीक्षाएं (प्रत्येक 1.5 घंटे की अवधि) देनी होती है। इन कठोर परीक्षण विधियों से गुजरकर भिलाई के रोहित पंडा ने सिल्वर मेडल जीतकर देष व प्रदेष का नाम रौषन किया है।

कोविड 19 वैक्सीन अमृत महोत्सव अभियान ने पकड़ी रफ्तार

एक ही दिन में 12,000 से अधिक लोगों को लगाया प्रिकॉशन डोज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कोविड-19 (कोरोना संक्रमण) से सुरक्षा के लिए 18 वर्ष से ऊपर आयु वर्ग के शत-प्रतिशत लोगों को कोरोना टीके का प्रिकॉशन डोज लगाने के लिए जिले में कोविड-19 वैक्सीन अमृत महोत्सव अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान जिला स्तर पर निर्धारित आयु वर्ग के पात्र सभी लोगों को जिले के सभी शासकीय अस्पतालों के टीकाकरण केंद्रों में नि:शुल्क प्रिकॉशन डोज लगाया जा रहा है। साथ ही कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए कोविड अनुरुप व्यवहार यानि मॉस्क लगाने, समय-समय पर सैनिटाइज करने तथा आवश्यक सामजिक दूरी बनाए रखने जैसे नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की जा रही है।

कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण के लिए जिले में टीकाकरण कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी कड़ी में कोविड-19 वैक्सीन अमृत महोत्सव अभियान शुरू किया गया है, जो 30 सितंबर तक चलाया जाएगा। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने कोरोना संक्रमण की चौथी लहर से बचाव हेतु लोगों से निर्धारित समय पर टीके का निर्धारित डोज अवश्य लगवाने का आव्हान किया है।

उन्होंने कहा है, कोविड-19 संक्रमण के खतरे को देखते हुए हर नागरिक को अपना फर्ज निभाते हुए टीकाकारण कराना है। भविष्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिले में शत-प्रतिशत टीकाकरण कराना जरूरी है। हर नागरिक को इस अभियान में अपना योगदान देना है। इस अभियान के तहत ऐसे सभी लोग जिनकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक है और जिनके कोविड वैक्सीनेशन का द्वितीय डोज लगे 6 माह या 26 सप्ताह हो गए हैं। वे सभी किसी भी निकटतम शासकीय अस्पताल के कोविड वैक्सीनेशन सेंटर में जाकर नि:शुल्क वैक्सीन लगवा सकते हैं। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेपी मेश्राम ने बताया: कोरोना संक्रमण का खतरा अभी टला नहीं है, इसीलिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न जनजागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों से सतर्कता व सावधानी बरतने की अपील की जा रही है। कोरोना टीकाकरण तथा अधिक से अधिक पात्र लोगों को जल्द से जल्द प्रिकॉशन डोज लगाने के लिए अभियान भी चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में एक ही दिन में विशेषकर 18 से 59 वर्ष आयु वर्ग के पात्र 10,000 से अधिक लोगों को प्रिकॉशन डोज लगाया गया है। वहीं इसी आयु वर्ग के क्रमश: 143 तथा 715 लोगों को प्रथम तथा द्वितीय डोज दिया गया है।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या वास्तव ने बताया: कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा के दिशा-निर्देश तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेपी मेश्राम के मार्गदर्शन में जिले में एक ही दिन में 12,000 से अधिक लोगों को कोरोना टीके का प्रिकॉशन डोज लगाया गया है। इसी तरह क्रमश: 624 तथा 1,660 लोगों को टीके का पहला तथा दूसरा डोज लगाया गया है। जिले के सभी विकासखंडों में भी टीकाकरण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

शासन की सुराजी गांव योजना क्रांति के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं में जागृति लाने की बनी एक वजह

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। शासन की सुराजी गांव योजना एक वजह बनी है क्रांति के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं में जागृति लाने की। समूह की महिलाएं अपने हुनर एवं मेहनत से अपनी पहचान बना रही हैं। जिले में जहाँ एक ओर ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बन रही है वहीं दूसरी ओर महिला स्वसहायता समूह की महिलाएं सशक्तिकरण की इबारत लिख रही हैं। कलेक्टर डोमन सिंह ने गौठान निर्माण एवं आजीविका संवर्धन कार्यों को विस्तार प्रदान करते हुए आज जिले अंतर्गत लगभग 2 करोड़ 2 लाख की लागत से कुल 26 नवीन गौठान तथा लगभग 6 करोड़ की लागत से 207 से अधिक मुर्गी शेड की स्वीकृति प्रदान की है।

कलेक्टर सिंह ने जनपद पंचायत छुईखदान में 3, छुरिया में 2, डोंगरगांव में 2, डोंगरगढ़ में 8, खैरागढ़ में 6, मोहला में 2 तथा राजनांदगांव जनपद पंचायत में 5 नवीन गौठान निर्माण की स्वीकृति दी है। इसी तरह कुक्कुट पालन परियोजना हेतु जनपद पंचायत अंबागढ़ चौकी में 19, छुईखदान में 38, छुरिया में 22, डोंगरगांव में 11, डोंगरगढ़ में 37, खैरागढ़ में 18, मोहला में 41, मानपुर में18 तथा राजनांदगांव में 3 कुक्कुट शेड निर्माण के लिए स्वीकृति दी गई है। उन्होंने शेड के निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण किये जाने हेतु जनपद पंचायतों को निर्देशित किया है। जिससे ग्राम पंचायतों के महिला स्वसहायता समूह की सदस्य इन भवनों में मुर्गीपालन कर अपनी आमदनी बढ़ा सके। जिले के सभी ग्राम पंचायतों में शत प्रतिशत गौठान के निर्माण की दिशा में तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। कलेक्टर ने गोधन न्याय योजना के तहत सभी गौठानों में गोबर खरीदी के निर्देश दिए हैं। जिले के गौठानों में आजीविका मूलक गतिविधि संचालित होने से समूह की महिलाओं में उत्साह एवं खुशी है। वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, सामुदायिक बाड़ी, मत्स्य पालन, मुर्गीपालन, बटेरपालन, बकरीपालन, मशरूम उत्पादन, अगरबत्ती, चंदन निर्माण, पापड़, बड़ी, आचार सहित विभिन्न उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है। महिला समूह द्वारा स्थानीय स्तर पर तैयार किए गए उत्पादों की बिक्री सी-मार्ट के माध्यम से की जा रही है।

शासकीय विभागों द्वारा समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पाद खरीदे जा रहे हैं। समूह की महिलाएं अपने घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर कार्य कर रही है और गौठान से प्राप्त आमदनी से अपने परिवार की मदद कर रही हैं।

मड़ई में पारंपरिक खेलों ने भरा उत्साह का रंग

श्रीकंचपथ न्यूज

गरियाबंद। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप छत्तीसगढ के पारम्परिक खेलों को बढ़ावा देने का लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करने एवं लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से ज़िले में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों का खेल प्रतियोगिता खेल मड़ई का आयोजन गरियाबंद हाई स्कूल के प्रगाण में किया जा रहा है।

आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस खेल मड़ई का आरम्भ आज हुआ।इस खेल मड़ई में छत्तीसगढ़ के कई ऐसे पारंपरिक खेलों का आयोजन भी हो रहा है,जिसे लोगों ने भुला दिया था।खेल मड़ई में होने वाले पारंपरिक खेलों को लेकर लोगों में अच्छा खासा उत्साह है और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन इन खेलों को देखने और खिलाडियों का उत्साहवर्धन करने के लिए खेल मड़ई में आ रहे हैं। पारंपरिक खेलों के आयोजन से यह खेल मड़ई पूरे गरियाबंद क्षेत्र में लोगों के आकर्षण एवं मनोरंजन का केन्द्र बन गई है। खेल मड़ई के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यअतिथि ग्वाला सिंह शोरी भूँजिया विकास अभिकरण अध्यक्ष एवं सुखचंद कुमार कमार विकास अभिकरण बद्री सुखदेवे सहयक आयुक्त आदिवासी विकास एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक दीनु पटेल, की उपस्थिती में हुआ।

गरियाबंद में आयोजित खेल मड़ई में कहीं कबड्डी का नजारा देखने को मिल रहा है,तो कहीं तिरनदाजी एक नए रूप में नजर आ रही है।इसी तरह से कबडडी,खोखो,फुगड़ी, गिल्ली डंडा,भौंरा सहित अन्य कई खेल,सहज ही दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे है। प्रदेश की संस्कृति से जुड़े ये सभी खेल विलुप्ति के कगार पर थे।इन खेलों को फिर जीवनदान देने के लिए गरियाबंद की खेल मड़ई संजीवनी बन गई है। मड़ई में आयोजित खेलों को देखकर बुजुर्गजन अपने किशोरावस्था को याद करने लगते हैं,जबकि नई पीढ़ी के युवाओं को छत्तीसगढ़ी पारंपरिक खेलों को जानने और सीखने का अवसर मिल रहा है।एक दिवसीय इस आयोजन में संपूर्ण ज़िले के करीब 200 खिलाडी करीब 9 पारंपरिक खेलों में भाग ले रहे हैं।

परियोजना अधिकारी बी.के सुखदेवे ने बताया कि खेल प्रतियोगिताओं में विभिन्न जनजातीय समुदाय तथा विशेष रूप से कमजोर जनजाति समुदाय द्वारा पारम्परिरिक रूप से खेले जाने वाले खेल जैसे-तीरंदाजी, गुलेल, मटका दौड़,गिल्ली डंडा,गेड़ी दौड़,भौंरा,फुगड़ी (बालिका वर्ग),बिल्लस (बालिका वर्ग),कबडडी,रस्सीखींच, सत्तुल (पिठुल),भारा दौड़,बोरा दौड़,सुई धागा दौड़, (बालिका वग), मुदी लुकावन (गोटी लुकावन), तीन टंगड़ी दौड़ तथा नौकायन (वयस्क वर्ग हेतु) आदि खेल शामिल है।

आजादी का अमृत महोत्सव 11 से 17 अगस्त तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। भारतीय ध्वज हमारे राष्ट्र का प्रतीक है। इस राष्ट्र गौरव को संवर्धित करने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 11 से 17 अगस्त 2022 तक हर घर झण्डा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत सभी भारतीय नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है ताकि आम जन में देश भक्ति की भावना विकसित हो सके। हर घर झण्डा कार्यक्रम अंतर्गत सतत मानिटरिंग के लिए समस्त जिला कलेक्टर शासन के दिशा-निर्देश अनुरूप अपने स्तर पर कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे।

जिले के अन्तर्गत सार्वजनिक उपक्रमों, स्वसहायता समूहों, सामाजिक संगठनों आदि के समस्त कर्मचारियों एवं उनके परिवार की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए इस कार्यक्रम को गति प्रदान करना है। कार्पोरेट और निजी संगठनों को भी सीएसआर संसाधनों सहित भाग लेने और योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना है। राज्य के शासकीय वेबसाइटों और सोशल मीडिया का उपयोग कर आमजनों में जागरूकता लाई जाएगी।

खास-खबर

रायपुर में बच्ची के गले से सोने का लाकेट गायब करने वाली महिला गिरफ्तार

रायपुर (ए)। साप्ताहिक बाजार में पिता के साथ गई बच्ची के गले से सोने के लाकेट को ब्लेड से काटकर गायब करने वाली महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपिता कुमारी मानिकपुरी के साथ एक नाबालिग को भी पुलिस ने पकड़ा है। आरोपितों के कब्जे से चोरी गया लाकेट बरामद कर घटना में प्रयुक्त एक्टिवा जब्त कर ली गई। सनत कैवर्थ ने उरला थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उसके अनुसार वह बुधवारी बाजार में छोटी लड़की को लेकर सब्जी खरीदने के लिए गया था, जहां लड़की के गले से सोने का लाकेट किसी ने चोरी कर लिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध र्ज कर जांच शुरू की। तत्काल बुधवारी बाजार के पास घेराबंदी की और मुखबीर की सूचना पर हरे रंग की एक्टिवा में सवार महिला को गिरफ्तार कर थाने लाया। पूछताछ में उसने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर लाकेट बरामद कर लिया गया।

25 किलो गांजा के साथ आरोपित गिरफ्तार

रायपुर (ए)। खमतराई थाने की पुलिस ने 25 किलो गांजा के साथ ओडिशा के रहने वाले भीमा नाइक को पकड़ा है। पुलिस को गुरुवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बीरगांव के व्यास तालाब के पास एक व्यक्ति काले रंग के ट्राली बैग में गांजा रखकर ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने एक व्यक्ति को पकड़ा, जिसके पास एक ट्राली बैग था। बैग की तलाशी में गांजा मिला। आरोपित ने बताया कि वह ओडिशा से गांजा लेकर लाया था।

सरकारी जमीन को अपनी बताकर ठगी

बेटे की तबीयत खराब है कहकर महिला को लिया झांसे में, फिर ठगे 5 लाख, 2 गिरफ्तार

जशपुर (ए)। जशपुर जिले में एक शख्स ने सरकारी जमीन को अपनी बताकर महिला से 5 लाख रुपए की ठगी कर ली। उसने महिला को ये कहकर झांसे में लिया था कि उसके बेटे की तबीयत खराब है। इसलिए उसे पैसे जी जरूरत है। इसके बाद जमीन बेचने की बात कहकर आरोपी ने महिला से पैसे ले लिए। इस मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला पत्थलगांव थाना क्षेत्र का है।

इस मामले में पीड़ित महिला ने शिकायत पुलिस से की थी। उसने अपनी शिकायत में बताया कि उसके पहचान का रामनारायण ठाकुर मार्च महीने में अपने साथ शैलेश भगत और एक शख्स को लेकर मेरे उसके आया था। रामनारायण ठाकुर ने महिला को बताया कि शैलेश के बेटे की तबीयत खराब है। उसके बेटे का रायपुर में तत्काल ऑपरेशन कराना है। उसके लिए पैसों की जरूरत है।

इस पर महिला ने कहा था कि वह तो शैलेश को जानती ही नहीं है तो कैसे पैसे दे सकती है। इस पर शैलेश ने बताया था कि उसकी फुलेता चौक में 40 डिसमिल जमीन है उसे आप मुझसे खरीद लो, बदले में पैसे दे देना। इसके बाद महिला राजी हो गई और इकरारनामा भी बन गया। बाद में महिला ने शैलेश को अलग-अलग किस्त में कुल 5 लाख 30 हजार दिए थे।

बताया गया कि महिला ने इसके बाद शैलेश से कहा था कि रजिस्ट्री करवा लेते हैं, लेकिन शैलेश राजी नहीं हो रहा था। रोज आज-कल, आज-कल करता था। इस पर महिला को उस पर शक हुआ। फिर उसे आस-पास के लोगों से और गांव के सरपंच से बात की, तब पता चला कि यह जमीन शैलेश की नहीं है। यह जमीन सरकारी है। ये जानने के बाद महिला ने शैलेश से पैसे वापस मांगे। इस पर शैलेश ने उसे एक चेक भी दिया, लेकिन वह किसी और के नाम का था। बाद में महिला ने कई बार शैलेश से पैसे लैटाने के लिए कहा, लेकिन उसने पैसे नहीं दिए थे। जिसके बाद मामले की शिकायत पुलिस से की गई। फिर पुलिस ने आरोपी शैलेश और रामनारायण ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया है।

छात्रा की हत्याः 48 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली, नहीं मिला कोई सुराग

डोंगरगढ़ (ए)। स्कूली छात्रा की लाश मिले 48 घंटे से अधिक समय बीत गया है। जांच के लिए स्पेशल टीम भी बनाई गई है। लेकिन अब तक पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लग पाया है। छात्रा के साथ सीसीटीवी फुटेज में दिखे युवक का भी पता नहीं चल पाया है। 14 साल की छात्रा का शव डंगबोरा डैम में बुधवार शाम मिला था। छात्रा की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई है।

इधर मामले में पहले दिन पुलिस ने जिन संदेहियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था, उनसे भी कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। छात्रा की मां से जब्त मोबाइल फोन से भी कुछ खास इनपुट हाथ नहीं लगे हैं। पुलिस केवल जांच जारी होने का दावा का रही है। इधर शुक्रवार को छात्रा की पीएम रिपोर्ट भी आई। इसमें छात्रा के साथ दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है। इसकी जांच के लिए अब रायपुर फारेंसिक लैब का सहारा लिया जा रहा है।

आरोपियों के पकड़ से बाहर होने के चलते लोगों में भी आक्रोश की स्थिति है। गुरुवार देर शाम जहां बरसते पानी में नगर में कैंडल मार्च निकाला गया, वहीं शुक्रवार को लोधी समाज ने डोंगरगांव थाने का घेराव भी किया। समाज पदाधिकारियों ने आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने बताया कि मामले की जांच जारी है। जल्द ही आरोपी तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। छात्रा से दुष्कर्म की पुष्टि पीएम रिपोर्ट में नहीं हुई है।

कैमरों के फुटेज खंगाले कॉल हिस्ट्री भी नहीं

छात्रा आखिरी बार गैस एजेंसी के सीसीटीवी फुटेज में दिखी थी। इसके बाद पुलिस टीम ने आसपास के करीब 15 से अधिक कैमरों के फुटेज खंगाले। लेकिन इसमें कुछ भी ऐसा नहीं मिला जिससे जांच टीम को मदद मिल सके।

पूछताछ के लिए बुलाए गए संदेही युवकों में से एक युवक ने 17 जुलाई को करीब 15 मिनट छात्रा से बात किया था। लेकिन 18 व 19 जुलाई को ऐसी कोई भी कॉल हिस्ट्री नहीं मिली। तीनों संदेहियों का मामले में कोई कनेक्शन नहीं होना सामने आया है।

नगर में गुरुवार की शाम कैंडल मार्च निकाली गई। महावीर मंदिर में एकत्रित होकर कैंडल मार्च निकालकर गोल बाजार, जयस्तंभ चौक होते हुए गौरवपथ पहुंचे। जहां पर छात्रा के छायाचित्र के समक्ष कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

खलासी पर चाकू-तलवार से हमला, लूट के आठ आरोपित गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र में ट्रक के खलासी पर चाकू और तलवार से हमला कर लूटने के मामले में पुलिस ने आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से चाकू, तलवार और घटना में उपयोग की गई दो मोटरसाइकिल जब्त की गई है। लूटी गई रकम के साथ मोबाइल भी बरामद कर लिया गया है।

खमतराई थाने में प्रार्थी प्रदीप कुमार यादव ने लूट की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उसके अनुसार वह ट्रक में माल भरने के लिए जीत कोल्ड स्टोर गोंदवारा गया था। उसके साथ ट्रक के खलासी पिंटू रविदास भी था। पिंटू को कुछ बदमाशों ने मोबाइल लूटने की नीयत से घेर लिया। आरोपितों ने मोबाइल लूटते हुए पिंटू को मुक्के से मारा, चाकू और तलवार से हमला किया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित का मोबाइल और 500 रुपये लूटकर आरोपित भाग निकले। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। बताए हुलिए के अनुसार लव साहू, ताराचंद उर्फ तरुण साहू, राकेश ठाकुर, दुर्गेश निषाद, हीरालाल सिन्हा, कन्हैया गर्ग, सचिन शाह और एक अपचारी बालक को घेराबंदी कर पकड़ा।

बैट से पीट-पीटकर युवक की हत्या कर खदान में फेंका शव, एक माह बाद मिला कंकाल

रायपुर (ए)। डीडीनगर थाना क्षेत्र स्थित चंगोराभाठा से एक माह पूर्व गुम युवक का शव दलदल में मिला है। एक माह में शव पूरी तरह से सड़-गल गया था। पुलिस ने कंकाल बरामद किया है। पुलिस ने सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। चंगोराभाठा स्थित सुलभ काम्प्लेक्स के पीछे युवक की बैट पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इसके बाद शव को चादर में बांध कर वहीं गिट्टी खदान के दलदल में फेंक दिया। जांच में जुटी पुलिस पहले उसे फरार मान पुलिस ने बदमाशों को मुखबिर की सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया है। मृतक के स्वजनों ने पहले ही हत्या की आशंका जताई थी।

पुलिस के मुताबिक थानेश्वर उर्फ थानू देवांगन की हत्या के आरोपित में कान्हा सोनकर, मोहम्मद सद्दाम, लाला उर्फ श्रीचंद यदु, जितेंद्र उर्फ लालू यदु, राजेंद्र वर्मा उर्फ बिल्लू, पंकज उर्फ प्रहलाद विश्वास और नितेश अवस्थी उर्फ अंडा को गिरफ्तार किया है। आरोपितों का थानेश्वर से पुराना विवाद था। उसी विवाद के चलते बदमाशों ने थानेश्वर की 23-24 जून की दरमियानी रात धोखे से नहर किनारे बुलाकर उसकी हत्या करने के बाद उसकी लाश को गिट्टी खदान स्थित दलदल में फेंक दिया था। मृतक के पिता छगन लाल देवांगन ने चार जुलाई को थाने में गुम इंसान की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

जिस दलदल में लाश मिली उसी में मार कर फेंकने की देता था धमकी

पुलिस गिरफ्त में आए बदमाशों की थाने में मारपीट के मामले दर्ज हैं। थानेश्वर और गिरफ्तार आरोपितों के बीच विवाद हुआ था। नशे में थानेश्वर अकसर आरोपितों को मार कर चंगोराभाठा के दलदल में फेंकने की धमकी देता था। घटना की रात भी ऐसा ही हुआ और आरोपितों ने थानेश्वर की हत्या कर उसका शव दलदल में फेंक दिया।

डीडीनगर थाने में थानेश्वर के खिलाफ गायब होने से पहले मारपीट का मामला दर्ज किया गया था। जिसके बाद उसकी हत्या कर दी गई। इधर जब स्वजनों ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई तो पुलिस शांत बैठी थी, वह अंदाजा लगा रही थी कि मारपीट कर वह फरार हो गया है।

मोबाइल और गाड़ी मिलने के बाद जांच तेज

स्वजनों ने जब थाने में चार जुलाई को गुम इंसान की रिपोर्ट दर्ज करवाई। उसके कुछ दिन बाद थानेश्वर का मोबाइल फोन एक व्यक्ति ने लाकर थाने में दिया। इसके बाद उसी गाड़ी बरामद की गई। पुलिस को आशंका हुई तो जांच की दिशा बदली। पुलिस ने मोबाइल नंबर और स्वजनों के बयानों के आधार पर जांच शुरू की। संदेहियों से पूछताछ की गई। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपितों ने हत्या करना स्वीकार किया।

डीडीनगर थाना क्षेत्र में युवक की हत्या का शव को गिट्टी खदान के दलदल में फेंक दिया गया था। पुलिस ने सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुरानी रंजिश के चलते युवक की हत्या की गई।

- प्रशांत अग्रवाल, एसएसपी, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

(सम्पत्तिकर विभाग)

क्रमांक/दो/स.वि./2022/2559/193 भिलाई, दिनांक 02/07/2022

//फ्री होल्ड हेतु दावा आपत्ति सूचना//

छत्तीसगढ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर जिला रायपुर के आदेश कमांक एफ–8–1/2018/18 के सम संख्यक आदेश दिनांक 06.10.2018 द्वारा नगरीय निकाय तथा पूर्व विघटित विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा स्वंय के आधिपत्य के 30 वर्षीय लीज होल्ड पर आबंटित/व्यवस्थापित आवासीय भूखंड/भवन को फ्री होल्ड के रूप संपरिवर्तित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

फ्री होल्ड के रूप में संपरिवर्तन के लिये निम्नांकित भूखंडधारियों द्वारा आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिस पर नियमानुसार कार्यवाही कर फ्री होल्ड के रूप में संपरिवर्तन किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से **30 दिवस के भीतर** अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा ।

क0	पट्टाधारी का नाम पति/पिता का नाम	योजना का नाम	ब्लाक क0 भूखंड क0	आकार
01	श्री पवन अग्रवाल आ0 स्व0 राधेश्याम अग्रवाल	न्यू खुर्सीपार आवासीय योजना	व्यवस्थापन	79.63 व0मी0
02	श्रीमती सुनीता कुमार सिंह पिता श्री राम बहादुर सिंह	प0 दीनदयाल पुरम आवासीय योजना	06/05	216 व0मी0
03	श्री विजय आशीष शर्मा आ0 स्व0 मदन दयानंद शर्मा	मो0ने0न0 प0 आवासीय योजना	20बी/09	216 वर्गमीटर
04	श्री मानव सेन पिता स्व0 संतोष कुमार सेन	रामनगर आवासीय योजना	व्यवस्थापन	5250 वर्गफुट
05	श्रीमती कानन शाहा पति श्री सुकुमार शाहा	इन्द्रप्रस्थ नगर आवासीय योजना	भूखण्ड क्र. 336	58.50 वर्गमीटर
06	मित्तल पावर एण्ड स्टील इंडिया लि. द्वारा डायरेक्टर श्री भरत कुमार पडिया आ0 स्व0 कांतिलाल पडिया	मो0ने0न0 पूर्व आवासीय योजना	20/19	135 वर्गमीटर
07	श्री अमित कुमार सेठ आ0 श्री श्री सुरेन्द्र कुमार सेठ	मो0ने0न0 पूर्व आवास सह व्यवसाय योजना	प्लॉट क्र. 06	93.75 वर्गमीटर

उपायुक्त
नगर पालिक निगम
भिलाई

summer offer
on gogles flat 20% off
फ्री होम डिलेवरी
(निःशुल्क कम्प्यूटराईज नेत्र जांच)
BROTERS OPTICALS
You see We care
Pratap Singh, Mo. - 9589876064, 9589666143
Infront of Shubham Medical, Krishna Talkies Road, Risali, Bhilai, Email : brothersopticals1@gmail.com

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

महापौर व सभापति ने सफाई मित्रों को सुरक्षा उपकरण और ड्रैस किट का किया वितरण

दुर्ग। महापौर धीरज बाकलीवाल ने निगम परिसर में सफाई मित्रो को सुरक्षा उपकरण और ड्रेस किट का वितरण किया। डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण कार्य में अपनी सेवाएं देने वाले निगम परिसर में एमसीसी सफाई मित्र को साड़ी, एप्रोन दस्ताना जूता मोजा आईकार्ड, रेनकोट, टोपी मास्क, गमबूट वर्दी 582 एमसीसी कर्मचारी तथा 680 प्लेसमेंट सफाई कर्मचारी,स्वास्थ्य विभाग सफाई मित्र को सुरक्षा उपकरण एवं ड्रेस किट का वितरण किया। महापौर धीरज बाकलीवाल ने निगम के सफाई कार्यों एवं शहर की स्वच्छता में सफाई मित्रों की अतिमहत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। दुर्ग निगम मिशन क्लीन सिटी के तहत संपूर्ण निगम क्षेत्र में डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण का कार्य करा रहा है। इस कार्य में एमसीसी के 582 व स्वास्थ्य विभाग के 680 प्लसमेन्ट सफाई मित्र अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, जो घर-घर पहुंचकर घरों व दुकानों से सूखा व गीला कचरा का संग्रहण करते हैं। इस संग्रहित कचरे को निगम से संचालित एसएलआरएम सेंटरों में लाकर उसके समुचित निष्पादन की प्रक्रिया सुनिश्चित कराते हैं।

कृषि सलाहकार की अध्यक्षता में जिला पंचायत में गौठानों के संचालन को लेकर की गई समीक्षा बैठक

दुर्ग। जिला पंचायत के सभागार में कृषि सलाहकार प्रदीप शर्मा की अध्यक्षता में गौठान को लेकर उपस्थित अधिकारियों के साथ गहन चर्चा की गई। जिसमें बैठक की चर्चा में प्रदीप शर्मा ने गौठान को मवेशियों का विश्राम स्थल बताया। बरसात के दिनों में गौठानों में वर्षा के कारण कीचड़ की स्थिति निर्मित न हो इसके लिए उन्होंने उचित निकासी की व्यवस्था लेवलिंग के साथ बनाने के लिए उपस्थित संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने गौठानों में चबूतरे के निर्माण की सलाह भी दी। उन्होंने गौठान में एक हिस्सा गांव के लावारिस जानवरों के लिए अलग से चिन्हित करने के लिए कहा और उनके सिंग को रंगने की सलाह भी दी ताकि उनका वर्गीकरण भी किया जा सके। गौठान समिति के द्वारा गौठानों के संचालन एवं व्यवस्थापन के लिए समिति के सभी सदस्यों को समय-समय पर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन को लेकर भी चर्चा हुई।

वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए महापौर परिषद का बड़ा फैसला

धूल के गुबार से मिलेगी मुक्ति, निगम के विभिन्न क्षेत्रों में लगाए जाएंगे मिस्ट फाउंटेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं आयुक्त लोकेश चंद्राकर तथा अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी की उपस्थिति में आज महापौर परिषद की बैठक 4:00 बजे प्रारंभ हुई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत वायु गुणवत्ता सुधार के लिए महापौर परिषद की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

शहर में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए भिलाई निगम क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर मिस्ट फाउंटेन लगाया जाएगा। मिस्ट फाउंटेन लगने से शहर में उड़ने वाले धूल के कण को फाउंटेन के माध्यम से कम करने में मदद मिलेगी, वही ज्यादा प्रदूषण वाले एरिया में इसे लगाए जाने की कार्य योजना है, इसके तहत जहां पर ज्यादा वाहनों का आवागमन होता है तथा धूल आदि के कण उत्सर्जित होते हैं वहां इसे स्थापित किया जाएगा। इसके लिए ढाई करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है।

नगर पालिक निगम ने शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए अहम निर्णय लेते हुए वायु गुणवत्ता सुधार के लिए मिस्ट फाउंटेन लगाने की स्वीकृति प्रदान की है। इसके लग जाने से वायु गुणवत्ता में सुधार होगा वही धूल के कणों से निजात मिलेगा इसके अलावा इनसे होने वाली बीमारियों से भी बचा जा सकता है। एमआईसी से हरी झंडी मिलने के बाद शीघ्र ही इसकी निविदा प्रक्रिया अपनाई जाएगी और योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त महापौर परिषद की बैठक में निविदा/नीलामी के माध्यम से अचल संपत्ति अंतरण के संबंध में, अन्नपूर्णा मार्केट व्यवसायिक योजना परिसर एवं वीर सावरकर मार्केट में जी रोड प्रभावित भूखंडों के संबंध में, निगम के वाहन शाखा हेतु उच्च कुशल, कुशल एवं अर्ध कुशल वाहन चालक एवं हेल्पर उपलब्ध कराने के कार्य के विषय में, यूनीपोल स्थापना संधारण एवं विज्ञापन के विषय पर, सहायक अभियंता पद से कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति के संबंध में तथा निगम क्षेत्र में सावन, हरेली एवं तीज उत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर परिषद ने विस्तार से चर्चा की।

आज की बैठक में महापौर परिषद के सदस्य लक्ष्मीपति राजू, एकांश बंछोर, साकेत चंद्राकर, संदीप निरंकारी, मालती ठाकुर, केशव चौबे, रीता सिंह गेरा, आदित्य सिंह, मीरा बंजारे, चंद्रशेखर गवई, नेहा साहू, मन्नान गफ्फार खान एवं लालचंद वर्मा तथा निगम के संबंधित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रमुख सड़कों के किनारे निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने देखी सफाई व्यवस्था, कंडम वाहनों को हटाने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त लोकेश चंद्राकर निरंतर शहर का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने आज नेहरू नगर चौक से भ्रमण की शुरुआत की। नेहरू नगर चौक में उन्होंने पुन: यात्री प्रतीक्षालय तथा आधुनिक शौचालय का निरीक्षण किया। समीपस्थ स्थानों का भी उन्होंने जायजा लिया। सुपेला चौक के समीप उन्होंने बैंक के सामने सफाई व्यवस्था देखी, कुछ स्थानों पर कबाड़ जैसे पड़े हुए सामग्रियों को उन्होंने हटवाने के निर्देश दिए तथा गंदगी फैलाने वालों पर जुर्माना लगाने कहा, बेतरतीब ठेलो को व्यवस्थित तरीके से लगाने और कचरा नहीं फैलाने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि वेंडिंग जोन एवं नॉन वेंडिंग जोन के तहत सुव्यवस्थित तरीके से ठेले लगाए जाएं। उन्होंने बैकुंडधाम तालाब का भी निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान वे सघन बस्तियों में सफाई व्यवस्था देखने पहुंचे, कुछ स्थानों पर वृहद सफाई करने के उपरांत वृक्षारोपण करने के भी निर्देश दिए। निगमायुक्त ने जलभराव एवं नाली सफाई की भी व्यवस्था देखी, बस्तियों की महिलाओं और लोगो से उन्होंने फीडबैक लिया। इस दौरान कई स्थानों पर अवैध तरीके से अतिक्रमण की शिकायतें भी आयुक्त को प्राप्त हुई जिस पर उन्होंने अवैध अतिक्रमण को हटाकर स्थल की सफाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए, आयुक्त ने डेंगू, पीलिया इत्यादि जलजनित बीमारी के रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए अपनाए जा रहे उपायों की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, जोन आयुक्त मनीष गायकवाड, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, प्रभारी सहायक अभियंता आलोक पसीने, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना एवं अनिल मिश्रा, जोन 3 स्वास्थ्य विभाग से वीरेंद्र बंजारे आदि मौजूद रहे।

महापौर शशि सिन्हा ने ली प्राप्त आवेदनों की समीक्षा बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर निगम रिसाली की महापौर श्रीमति शशि सिन्हा द्वारा आज दिनांक 22 जुलाई 2022 को अपने कक्ष में जनप्रतिनिधियों तथा नागरिकों से प्राप्त विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित आवेदन पत्रों की अद्यतन स्थिति जानने के लिए समीक्षा बैठक ली गई समीक्षा बैठक में वार्ड क्रमांक 19 स्टेशन मरोदा में डबरीगहरी करण, जयस्तंभ निर्माण के संबंध में शासन को प्रस्ताव भेजने की जानकारी दी गई। वार्ड 26 में अतिक्रमण, अवैध दुकान हटाने तथा वार्ड 14 में भिलाई पब्लिक स्कूल के खेल मैदान को कब्जा मुक्त कराने आवेदन पत्रों की समीक्षा ली गई जो राजस्व विभाग द्वारा कब्जा हटाने का कार्य पूर्ण करने की जानकारी दी गई। वार्डों में जलभराव क्षेत्रों में पानी निकासीकरण की उचित व्यवस्था तथा आवागमन को बारिश की दृष्टि से सुचारू रूप से संचालित करने हेतु आवश्यक मलबा डस्ट से समतलीकरण का सुझाव दिया गया। बैठक में लोकहित से जुड़े ऐसे कार्य जो बहुत ही अत्यावश्यक हो उन आवेदन पत्रों का त्वरित निराकरण करते हुए प्रस्ताव तैयार कर शासन से राशि की मांग किये जाने हेतु लोककर्म विभाग को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता, सुशील कुमार बाबर, सहायक अभियंता, आर.के.जैन, उपअभियंता:- अखिलेश गुप्ता, डिगेश्वरी चंद्राकर चन्द्रपाल हरमुख उपस्थित थे।

विधायक के नेतृत्व में महापौर एवं पार्षदों ने निकाय मंत्री से मांगी राशि...

वार्ड 50 में मुक्तिधाम जरूरी, इंदिरा मार्केट व वार्ड 20 के ड्रेनेज निर्माण की भी मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा के नेतृत्व में दुर्ग नगर निगम के महापौर धीरज बाकलीवाल ने पार्षदों के साथ नगरीय निकाय मंत्री शिव डहरिया से सौजन्य भेंट की एवं शहर की बहुप्रतीक्षित मूलभूत आवश्यकताओं से उन्हें अवगत कराते हुए विभिन्न विकास कार्यों के लिए राशि की मांग की।

चर्चा में महापौर ने वार्ड 50 के मुक्तिधाम को अत्यावश्यक बताते हुए कहा कि बोरसी भाठा ग्रामीण परिवेश वाला वार्ड है जहां जनता लंबे समय से वार्ड के निकट मुक्तिधाम की मांग कर रही है। भूमि में विवाद होने के कारण कई बार विधायक निधि से राशि दिए जाने के बाद भी कार्य नहीं कराया जा सका किन्तु अब कानूनी प्रक्रिया में वार्ड वासियों की जीत हुई है इसलिए सर्वसुविधायुक्त मुक्तिधाम के लिए 54 लाख रु का एस्टीमेट बनाया गया है। साथ ही वार्ड 20 के नागरिकों को वर्षों से ड्रेनेज समस्या का सामना करना पड़ रहा हक़ी जिसपर पूर्व की परिषदों ने ध्यान नहीं दिया । वर्तमान में 1.5 करोड़ से अधिक के आरसीसी ड्रेन बनवाये जा रहे हैं किंतु 64 लाख रु की और आवश्यकता है जिसे अधोसंरचना मद के अंतर्गत स्वीकृति दी जाए। इंदिरा मार्केट पुनरुद्धार के लिए 2 करोड़ के कार्यों को सैद्धांतिक सहमति मिल गई है किंतु राशि अभी तक जारी नहीं कि गई है। महापौर ने आग्रह करते हुए कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप विकास कार्यों के लिए जल्द राशि दी जाए।

इस दौरान एमआईसी मनदीप भाटिया, पार्षद खिलावन मटियारा, ज्ञानदास बंजारे, अमित देवांगन मौजूद थे।

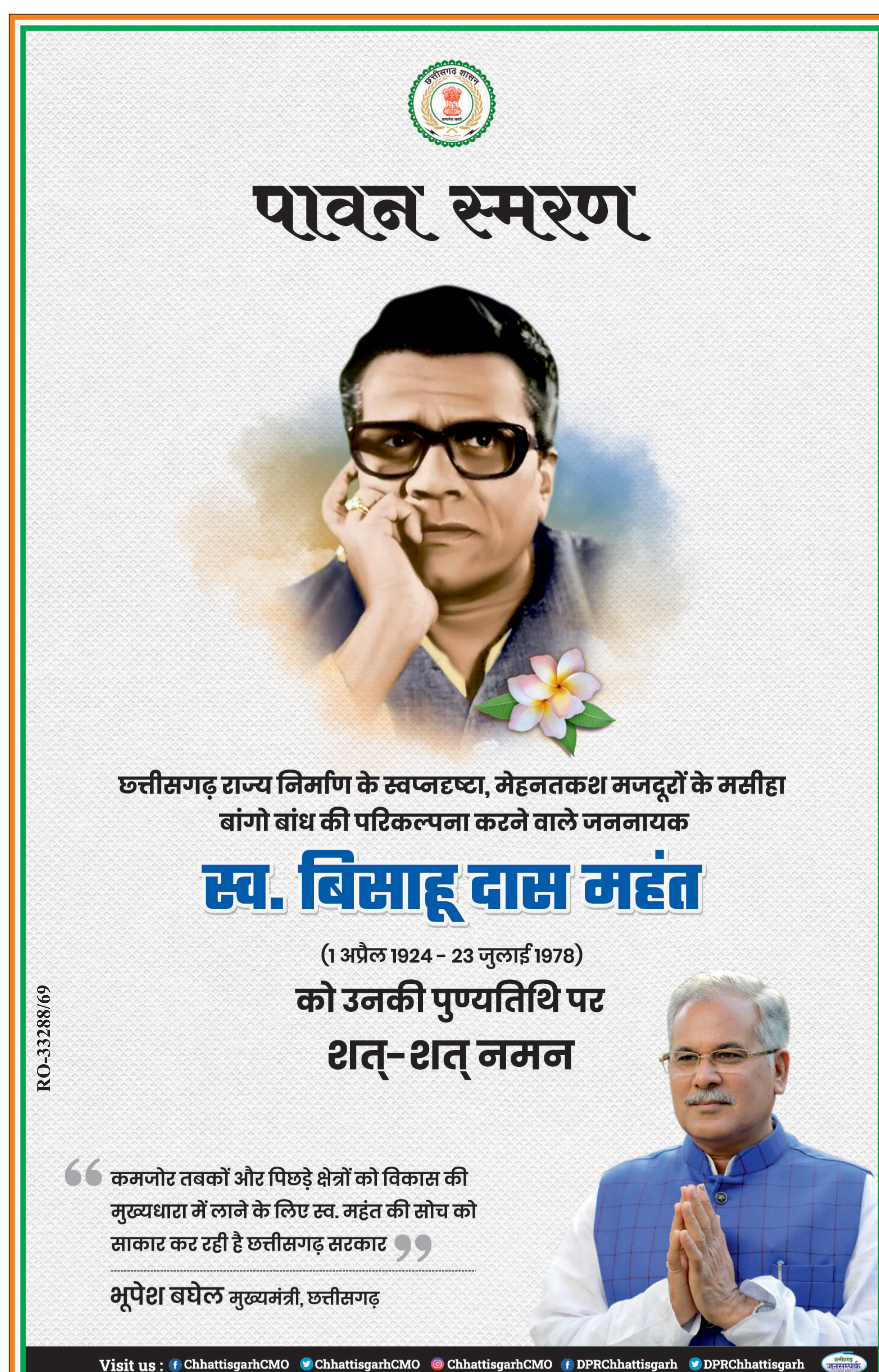

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950